आषाढ़ कृष्ण - 02 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 315 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 13-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 छात्र सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें : योगी आदित्यनाथ

6 धरती पर हर छठा इंसान भारतीय

7 कोई भी इंडस्ट्री बुरी नहीं होती, सिर्फ लोग बुरे होते हैं : कृति खरबंदा

फर्स्ट टेक

बेहद दिल दहलाने वाला : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना में लोगों की मौत बेहद दिल दहलाने वाली है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना भी व्यक्त की। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस त्रासदी में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मृत्यु पर भी दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में हुई जान-माल की क्षति बेहद दिल दहलाने वाली है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। देश ने इस त्रासदी में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी को भी खो दिया है। रूपाणी जी हमेशा लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध थे। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।

एएआईबी एअर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच करेगा

नई दिल्ली/भाषा। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) अहमदाबाद विमान हादसे की जांच करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि एएआईबी के महानिदेशक और एजेंसी में जांच निदेशक सहित अन्य लोग अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत, एएआईबी भारतीय हवाई क्षेत्र में परिचालित विमानों की सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं को दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं में वर्गीकृत करने के का दायित्व संभालता है। यह दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच करता है और सुरक्षा में सुधार के लिए विभिन्न उपायों के सुझाव भी देता है। बोइंग ने एक बयान में कहा, ''हमें शुरुआती रिपोर्टों की जानकारी है और हम अधिक जानकारी जुटाने के लिए काम कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने विमान दुर्घटना को हृदय विदारक बताया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को हृदय विदारक बताया और कहा कि इससे ''हम स्तब्ध और दुखी हैं।'' उन्होंने कहा कि वह प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के संपर्क में हैं। 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''अहमदाबाद में हुई त्रासदी से हम स्तब्ध और दुखी हैं। यह हृदय विदारक है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने कहा, ''दुख की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।''

लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त

- मृतकों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री रुपाणी भी
- विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे।
- एअर इंडिया के अनुसार, विमान में सवार 230 यात्रियों में से 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक थे।
- मेडिकल कॉलेज परिसर में भी करीब 25 लोगों की मौत हुई होगी।
- ऐसी भी खबरें हैं कि विश्वाश कुमार रमेश नामक एक यात्री, जो बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई171) की 11ए सीट पर बैठा था, चमत्कारिक रूप से बच गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। एअर इंडिया का लंदन जा रहा एक विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यहां एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में, विमान में सवार सभी लोग संभवत: मारे गए हैं।

भाजपा नेता सी आर पाटिल के अनुसार, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी मृतकों में शामिल हैं। ऐसी भी खबरें हैं कि विश्वाश कुमार रमेश नामक एक यात्री, जो बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई171) की 11ए सीट पर बैठा था, चमत्कारिक रूप से बच गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट, शहर के सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कई घंटों बाद भी मृतकों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी है।

विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे।

अनौपचारिक रिपोर्टों में कहा गया है कि विमान में सवार लोगों के जीवित बचे होने की संभावना बहुत कम है और मेडिकल कॉलेज परिसर में भी करीब 25 लोगों की मौत हुई होगी।

एअर इंडिया के अनुसार, विमान में सवार 230 यात्रियों में से 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक थे।

उड़ान भरने के तुरंत बाद 'मे-डे' कॉल

अहमदाबाद में हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) ने बताया कि विमान के पायलट ने अपराह्न 1.39 बजे उड़ान भरने के तुरंत बाद 'मेडे' (आपातकालीन संदेश देने के लिए) कॉल किया, जो पूर्ण आपात स्थिति का संकेत था।

विमान के 'ब्लैक बॉक्स' (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर) की भी तलाश जारी है, ताकि यह पता चल सके कि अंतिम क्षणों में क्या हुआ था।

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद एकदम तेजी से नीचे आया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनास्थल पर काले धुएं का

गुबार उठता देखा गया। यह विमान 11 साल पुराना था।

लंबी यात्रा के लिए ईंधन टंकी पूरी तरह से भरी रहने का उल्लेख करते हुए विमानन विशेषज्ञों ने बताया कि विमान नीचे गिरने से पहले महज 600 से 800 फुट की ऊंचाई पर गया था।

दोनों इंजन का काम न करना या पक्षी का टकराना दुर्घटना के संभावित कारण

उन्होंने कहा कि उपलब्ध वीडियो फुटेज के अनुसार, दोनों इंजन का पूरी क्षमता से काम न करना या पक्षी का टकराना दुर्घटना के संभावित कारणों में से एक हो सकता है। टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में देखा जा सकता है कि विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद नीचे की ओर आया, जबकि उसका लैंडिंग गियर (पहिया) अब भी बाहर निकला हुआ था।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक बयान के अनुसार, ''विमान ने अहमदाबाद से अपराह्न 1:39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी। इसने एटीसी (हवाई यातायात नियंत्रण) को 'मेडे' (आपातकालीन संदेश देने के लिए) कॉल किया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गई कॉल का विमान से कोई जवाब नहीं मिला।''

बचावकर्मियों ने मलबे में, जीवित बचे लोगों को खोजने और घायलों को बाहर निकालने के लिए काफी जद्दोजहद की, जिनमें से कई गंभीर रूप से झुलसे हुए थे।

विमान दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक करोड़ रुपए देगा टाटा समूह

नई दिल्ली/भाषा। टाटा समूह बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक करोड़ रुपए की राशि देगा। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, हम एयर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी दुखद घटना से बहुत दुखी हैं। उन्होंने कहा, इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों और उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देगा। टाटा समूह द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए संदेश में उन्होंने यह भी कहा कि समूह घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाएगा और सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। चंद्रशेखरन ने कहा, इसके अलावा, हम बी जे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के निर्माण में भी सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, हम इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़े हैं।

सूर्यास्त 13-06-2025 6:46 बजे	सूर्योदय 14-06-2025 5:53 बजे
BSE 81,691.98 (-823.16)	NSE 24,888.20 (-253.20)
सोना 10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 100,550 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

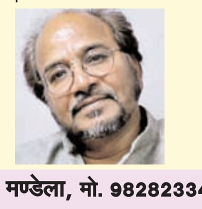

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अनहोनी

धुआं पल में उठा ऐसा,
हुए सब राख पल भर में।
बड़े लाचार से हैं हम,
भयावह खौफ मंज़र में।
नहीं महफ़ूज़ है कोई,
हवा में और निज घर में।
कहें क्या शब्द भी हैं मूक,
इस बेजान पंजर में।।

मोदी सरकार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मोदी सरकार लोकसभा तथा विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को देश के इतिहास में 'बहुत महत्वपूर्ण' बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले के 60 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में जो नहीं हो सका, उसे वर्तमान सरकार ने हासिल किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष के अंत तक देश की 'लॉजिस्टिक्स' लागत घटकर नौ प्रतिशत पर आ जाएगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा कारोबार और

उद्योगों के विकास में मदद मिलेगी। महिला आरक्षण के मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा, ''महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना हमारी प्रतिबद्धता है और हमने इस संबंध में निर्णय भी लिया है।''

सितंबर 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक - नारी शक्ति वंदन अधिनियम - को अपनी मंजूरी दी थी, जिसका उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना है।

ऐसी खबरें हैं कि मोदी सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर सकती है। उन्होंने देश में सड़क अवसंरचना विकास पर आईआईएम बैंगलोर, आईआईटी कानपुर और आईआईटी चेन्नई द्वारा किए गए एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि देश की 'लॉजिस्टिक्स' लागत जो पहले 16 प्रतिशत थी, वह घटकर 10 प्रतिशत हो गई है।

आईएईए ने पाया, ईरान अपने दायित्वों का पालन नहीं कर रहा

वियना/एपी। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के शासी निकाय ने बृहस्पतिवार को पाया कि ईरान 20 वर्षों में पहली बार अपने परमाणु दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है । इस कदम के कारण तनाव बढ़ सकता है व इस वर्ष के अंत में ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को पुनः लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। ईरान ने तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक सुरक्षित स्थान पर एक नई संवर्धन सुविधा स्थापित करेगा और अन्य उपायों की भी योजना बनाई जा रही है। ईरान के विदेश मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा संगठन ने एक संयुक्त बयान में कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के पास इस राजनीतिक प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ईरान को लेकर प्रस्ताव पर आईएईए के शासी निकाय के सदस्य देशों ने मतदान किया। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर राजनयिकों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के शासी निकाय के 19 सदस्य देशों ने वियना में एक बैठक में प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।

भाजपा नीत केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के लिए क्या किया : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलेम/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की कड़ी आलोचना की कि राज्य की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)सरकार केवल घोषणाएं कर रही है और कोई परियोजना लागू नहीं कर रही है।

स्टालिन ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार है जो तमिलनाडु के लिए कोई विशेष परियोजना/योजना लेकर नहीं आई है और कुछ योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि भी राज्य तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाती है।

उन्होंने 12 जून को निर्धारित तिथि पर सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के लिए मेट्टूर बांध का द्वार खोलते हुए कहा कि वह लोगों के हित के लिए लगातार काम कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा, ''इसलिए मैं जहां भी जाता हूं, आप लोग प्यार से मेरा स्वागत करते हैं; आप मुझे अपने बीच का ही मानते हैं। हालांकि, कुछ लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर पाए और वे द्रमुक सरकार के प्रभाव से ईर्ष्या करते हैं।''

मुख्यमंत्री ने हाल ही में मदुरै की यात्रा के दौरान शाह द्वारा राज्य की द्रमुक सरकार की तीखी आलोचना का जिक्र करते हुए सवाल किया कि अगर केंद्रीय गृह मंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान 10 साल पहले केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा घोषित मदुरै अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परियोजना की स्थिति का निरीक्षण किया होता तो क्या होता।

केंद्र की खिल्ली उड़ाते हुए स्टालिन ने आश्चर्य जताया कि क्या मदुरै एम्स की पहल एक अस्पताल बनाने या अनुसंधान के लिए एक अंतरिक्ष केंद्र स्थापित करने के बारे में है, क्योंकि यह परियोजना लगभग 10 वर्षों से ''निर्माणाधीन'' ही है।

अहमदाबाद विमान हादसाः विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने जताया दुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अहमदाबाद हवाई अड्डे से 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लंदन ले जा रहे एअर इंडिया के एक विमान के बृहस्पतिवार दोपहर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त होने पर देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शीर्ष नेताओं ने दुख व्यक्त किया है।

एअर इंडिया ने एक बयान में बताया कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के लंदन जाने वाले बोइंग 787-8 विमान में चालक दल से सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। बयान के मुताबिक, विमान में सवार यात्रियों में से 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक शामिल था। तेजी से नीचे आ रहा बोइंग विमान अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मेघानीनगर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विमान हादसे को बेहद दर्दनाक व हैरान करने वाला बताया और सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। रेखा गुप्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और स्तब्ध कर देने वाला है। मैं सभी यात्रियों एवं उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी यात्री सकुशल हों और घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। इस कठिन समय में हम सभी प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़े हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गुजरात इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत प्रयासों में भाग लेने और एअर इंडिया विमान दुर्घटना से प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने का आग्रह किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं और जारी राहत प्रयासों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पाटिल से बात की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'एक्स' पर कहा, अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एअर इंडिया यात्री विमान की घटना के बारे में जानकर दुख हुआ और स्तब्ध हूं। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने विमान हादसे पर दुख जताया और कहा कि विमानन कंपनियों को अपने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पुनर्मूल्यांकन और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना चाहिए। अकोला का दौरा कर रहे पवार ने कहा कि यह दुर्घटना चौंकाने वाली, दर्दनाक और दुखद है। उन्होंने कहा कि पूरा महाराष्ट्र और पूरा देश इस घटना से शोक में डूबा है और सभी लोग प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) विधायक आदित्य ठाकरे ने भी कहा कि वह इस घटना से स्तब्ध और दुखी हैं। उन्होंने कहा, मैं जीवित बचे लोगों और उस विमान में सवार सभी लोगों के परिवारों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। आइए हम सभी के लिए उम्मीद और प्रार्थना करें।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वह अहमदाबाद विमान दुर्घटना की खबर सुनकर स्तब्ध और व्यथित हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध और व्यथित हूं। आपदा मोचन बल सभी प्रभावितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार सभी लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार प्रमुख शरद पवार ने इस घटना को हृदय विदारक बताया और राहत पहुंचाने के लिए घटनास्थल पर काम कर रही एजेंसियों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को 'दुखद और दर्दनाक' बताया तथा विमान में सवार सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। सैनी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया के दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे की खबर दुखद और पीड़ादायक है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : पुतिन सहित विश्व नेताओं ने प्रभावित परिवारों के प्रति जताई संवेदना

ब्रसेल्स/ मॉस्को/माले/ भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' सहित कई विश्व नेताओं ने बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर शोक व्यक्त किया और प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

लंदन के गैटविक जा रही एअर इंडिया की उड़ान (एआई171) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपराह्न करीब 1:40 बजे उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे और हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। क्रेमलिन (रूसी सरकार का मुख्यालय) ने मॉस्को में जारी बयान में कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी गहरी संवेदना प्रेषित की है।

पुतिन ने भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजे संदेश में कहा, ''अहमदाबाद हवाई अड्डे के नजदीक हुए विमान हादसे के दुखद परिणामों पर मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करें तथा दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें।''

लेयेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर भारत से आई है। इस भयावह हादसे के पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हम आपकी इस पीड़ा को साझा करते हैं। माननीय नरेन्द्र मोदी यूरोप इस दुख की घड़ी में आपके और भारत के लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करता है।''

मुइज्जू ने इस दुखद हादसे पर ''गहरा शोक'' व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस कठिन समय में, मालदीव की सरकार और जनता भारत के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता में खड़े हैं।''

मलेशियाई प्रधानमंत्री इब्राहिम ने कहा कि वह इस दुखद हादसे के बारे में जानकर ''बहुत व्यथित'' हैं। उन्होंने कहा,''मलेशिया की सरकार और जनता की ओर से मैं प्रभावित सभी लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।' इब्राहिम ने 'एक्स' पर कहा, ''हम भारत के दुख में शामिल हैं और राहत कार्य जारी रहने के दौरान पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह क्षति पर शोक मना रहे सभी लोगों के साथ हैं।'' नेपाल के प्रचंड ने कहा कि वह इस विमान हादसे से 'बहुत दुखी' हैं।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना विनाशकारी मानवीय त्रासदी हैः उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान के बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने को विनाशकारी मानवीय त्रासदी बताया।

लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। हादसे में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है।

विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मेघाणी नगर में शहर के सिविल अस्पताल और बी जे मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के आवासीय क्वार्टर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अहमदाबाद में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने लोगों को एक विनाशकारी मानवीय त्रासदी का सामना करने के लिए मजबूर कर दिया है।

धनखड़ ने कहा, ''मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ एकजुटता से खड़ा है।''

अहमदाबाद विमान दुर्घटना से गहरा सदमा लगा हैः जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में जानकर उन्हें ''गहरा सदमा'' लगा है। विदेश मंत्री फिलहाल विदेश यात्रा पर हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, ''अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा है। हमारी प्रार्थनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।''

लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। हादसे में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मेघाणी नगर में शहर के सिविल अस्पताल और बी जे मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के आवासीय क्वार्टर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

भारत में विमान दुर्घटनाओं का घटनाक्रम

नई दिल्ली/भाषा। अहमदाबाद हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार को लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर के बाद एक बार फिर नजरें भारत में विमान संबंधी दुर्घटनाओं के इतिहास पर टिक गई हैं। आसमान में घातक टकरावों और खराब मौसमी स्थिति के कारण होने वाली भीषण दुर्घटनाओं से लेकर 'टेबलटॉप' हवाई अड्डों पर 'रनवे ओवरशूट' तक, देश ने कई दशकों के दौरान विभिन्न विमान त्रासदियों को देखा है। भारतीय उड्डयन इतिहास की सबसे भीषण विमान दुर्घटनाएं ये हैं-

1. एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान 1344 (2020): कोविड-19 महामारी के दौरान एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या 1344 कोझिकोड (कालीकट) वाला विमान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सात अगस्त, 2020 को रनवे पर उतरते समय फिसलकर आगे बढ़ गया। भारी बारिश के बीच विमान गीले 'टेबलटॉप' रनवे से आगे निकल गया और घाटी में गिरकर दो हिस्सों में विभाजित हो गया। इसमें 190 में से 21 लोगों की मौत हो गई जिनमें दो पायलट शामिल थे।
2. एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान 812(2010): एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट 812 कर्नाटक के मंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरते समय 22 मई, 2010 को रनवे से आगे निकल गई। दुबई से आ रहा बोइंग 737-800 'टेबलटॉप' रनवे से आगे बढ़कर खाई में गिरा और आग लग गई। दुर्घटना में 158 लोगों की मौत हो गई।
3. एलायंस एअर उड़ान 7412 (2000): एलायंस एअर उड़ान 7412 उतरने के दौरान 17 जुलाई, 2000 को बिहार के पटना में घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उतरने के दौरान कथित तौर पर अनुचित दिशा निर्देशों के कारण बोइंग 737-200 को कम ऊंचाई पर बाधा का अनुभव हुआ। इस दुर्घटना में साठ लोग मारे गए, जिनमें जमीन पर मौजूद 5 लोग शामिल थे।
4. चरखी दादरी के ऊपर आकाश में टक्कर (1996): 12 नवंबर, 1996 को भारत की सबसे विनाशकारी विमानन दुर्घटना में 349 लोग मारे गए थे। यह त्रासदी तब हुई जब सऊदी उड़ान 763 (एक बोइंग 747 विमान) और कजाकिस्तान एअरलाइंस की उड़ान 1907 (एक इल्यूशिन आईएल-76 विमान) के बीच हरियाणा में चरखी दादरी के पास आसमान में आमने सामने टकरा गईं। दुर्घटना संचार विफलता और कजाक चालक दल के निर्धारित ऊंचाई से नीचे उतरने का परिणाम थी। इस घटना के बाद भारत ने सभी वाणिज्यिक विमानों पर ' टकराव रोधी प्रणाली' लगाने को अनिवार्य करने सहित महत्वपूर्ण विमानन सुरक्षा उपाय शुरू किए।
5. इंडियन एअरलाइंस उड़ान 605 (1990): 14 फरवरी, 1990 को इंडियन एअरलाइंस उड़ान 605 बेंगलूरु के एचएएल हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें सवार 146 लोगों में से 92 की मौत हो गई। उस समय भारत में अपेक्षाकृत नया विमान एअरबस ए320 बहुत नीचे उतर आया और रनवे से पहले ही जमीन से टकराया और फिसकर गोल्फ कोर्स में चला गया। जांच में पता चला कि पायलट की गलती और ए320 के उन्नत डिजिटल कॉकपिट से अपरिचित होने के कारण यह दुखद दुर्घटना हुई।
6. इंडियन एअरलाइंस उड़ान 113 (1988): खराब दृश्यता के कारण 19 अक्टूबर, 1988 को इंडियन एअरलाइंस की उड़ान 113 (बोइंग 737-200) अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मुंबई से रवाना यह विमान पेड़ों से टकरा गया और रनवे से पहले ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार 135 लोगों में से 133 की मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने पायलट की गलती, अपर्याप्त मौसम की जानकारी और एअर ट्रैफिक कंट्रोल द्वारा प्रक्रियागत चूक की ओर इशारा किया।
7. एअर इंडिया उड़ान 855 (1978): एक जनवरी, 1978 को दुबई जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान 855 (एक बोइंग 747) का विमान मुंबई से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद अरब सागर में गिर गया, जिससे उसमें सवार सभी 213 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उड़ान के 101 सेकेंड बाद ही घटित हुई, जब एटीट्यूड डायरेक्टर इंडिकेटर में खराबी के कारण कैप्टन ने विमान के दिशा-निर्देशन को गलत तरीके से समझ लिया। यह दुर्घटना समुद्र के ऊपर रात के समय हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं से मुलाकात कर उन्हें पार्टी के सिद्धांतों और विचारधाराओं के अनुरूप आचरण करने की सलाह दी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने बृहस्पतिवार सुबह भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ताओं के साथ बातचीत के दौरान भाजपा संगठन में एक नेता के रूप में अपने लंबे अनुभव और मीडिया के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए उन्हें सुझाव दिए। सूत्रों के अनुसार मोदी ने भाजपा प्रवक्ताओं को अपने आचरण में संयमित और विनम्र बने रहने तथा प्रासंगिक मुद्दों पर अच्छी जानकारी रखने की सलाह दी।

मोदी समय-समय पर पार्टी के संगठनात्मक नेताओं से बातचीत करते हैं और उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करते हैं। भाजपा ने हालांकि बैठक के विवरण पर कोई आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि यह पार्टी की आंतरिक बैठक थी तथा उन्होंने इस संबंध में कोई और टिप्पणी नहीं की।

चीन ने दुर्लभ खनिज तत्वों के निर्यात पर पाबंदी को लेकर भारत से बातचीत के संकेत दिए

बीजिंग/भाषा। चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भारत के साथ बातचीत का बृहस्पतिवार को संकेत देते हुए कहा कि वह औद्योगिक आपूर्ति शृंखला को स्थिर रखने के लिए संबंधित देशों के साथ बातचीत और सहयोग बढ़ाने को तैयार है। चीन ने प्रमुख दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर हाल ही में प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस वजह से भारत सहित कई देशों में वाहन एवं सेमीकंडक्टर चिप के निर्माण में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

चीनी विदेश मंत्रालय में प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, ''हम वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति शृंखलाओं की स्थिरता को संयुक्त रूप से बनाए रखने के लिए संबंधित देशों और क्षेत्रों के साथ बातचीत और सहयोग बढ़ाने को तैयार हैं।'' जियान ने पीटीआई-भाषा के एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या चीन भारत को दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने को तैयार है, क्योंकि उसने अमेरिका और यूरोपीय संघ को निर्यात लाइसेंस जारी करना शुरू कर दिया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस संबंध में विशिष्ट जानकारी के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने चीनी उप मंत्री सन वेइदोंग से मुलाकात की और द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान रावत ने अन्य बातों के अलावा साझा चिंताओं पर भी चर्चा की।

'भारत, यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना महत्वपूर्ण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्टॉकहोम (स्वीडन)/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है और दोनों पक्ष इन मुद्दों के समाधान के लिए सक्रियता से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को अंतिम रूप देने के ''काफी'' करीब हैं।

गोयल ने यहां पत्रकारों से कहा, '' महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आधे से अधिक खंड तैयार हैं। विषय-वस्तु के संदर्भ में, मैं कहूंगा कि हम बाजार पहुंच के लिए करीब 90 प्रतिशत तैयार हैं। जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दिया जाना है, वे हैं.. गैर-शुल्क बाधाएं और यूरोपीय संघ तथा भारत के बीच व्यापार को कैसे सहज, आसान व बेहतर बनाया जाए।'' उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए कारोबार को सुचारू बनाने के समाधान ढूंढने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं। मंत्री ने कहा, '' देश जब तक यह नहीं समझते कि व्यापार में अत्यधिक विनियमन एवं बाधाओं का जवाब, जवाबी कार्रवाई से दिया जाएगा तब तक सभी को नुकसान होगा। हम विनियमन को समाप्त करने, विनियमन की उच्च लागत, इन विनियमों के कारण उत्पन्न होने वाली गैर-शुल्क बाधाओं और मुक्त व्यापार में आने वाली बाधाओं का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे उम्मीद है कि हम इस समस्या का बहुत मजबूत समाधान खोज लेंगे।''

भारत का माल, सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष में 900 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता हैः गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

स्टॉकहोम (स्वीडन)/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025-26 में भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात के 900 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष, इज़राइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का समग्र निर्यात 2023-24 में 778 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2024-25 में 825 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गोयल ने बुधवार रात भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा, '' हमने पिछले वित्त वर्ष निर्यात में 825 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया। वैश्विक उथल-पुथल के बीच हम चालू वित्त वर्ष में निश्चित रूप से निर्यात में 900 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएंगे।'' वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, स्वीडन की अपनी आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्वीडन के अपने समकक्ष तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुमान के अनुसार, देश के समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात के 2025-26 में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

नई दिल्ली में शिवाजी ब्रिज के पास रेलगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरा, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली/भाषा। नई दिल्ली में शिवाजी ब्रिज के पास बृहस्पतिवार को रेलगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गाजियाबाद से राष्ट्रीय राजधानी के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन जा रही 'इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (ईएमयू) ट्रेन शाम चार बजकर 10 मिनट पर पटरी से उतर गई। अधिकारी ने बताया घटनास्थल पर इसके बहाली का कार्य किया जा रहा है।

सरकार तुलबुल परियोजना फिर से शुरू करेगीः मनोहर लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में वुलर झील पर तुलबुल परियोजना फिर से शुरू करेगी। इसका कारण केंद्र के सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के बाद अब उसे पाकिस्तान की सहमति की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के निलंबन के मद्देनजर भारत निश्चित रूप से नई पनबिजली परियोजनाओं पर काम करेगा।

लाल ने यहां कहा, ''इससे पहले, जब भी हमें कोई काम करना होता था, तो हमें उनसे (पाकिस्तान से) चर्चा करनी पड़ती थी और उनकी सहमति के बिना हम कुछ नहीं कर सकते थे।''

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर यहां संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''वुलर झील पर एक परियोजना (तुलबुल) थी, जिसकी परिकल्पना 1981 में की गई थी। लेकिन, उन्होंने अपनी सहमति नहीं दी और इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब, जब सहमति की कोई आवश्यकता नहीं है, तो हम परियोजना को फिर से शुरू करेंगे और जल्द ही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी।''

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार आईडब्ल्यूटी के निलंबन के बाद नई जलविद्युत परियोजनाओं पर काम करना शुरू करेगी, केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हां, निश्चित रूप से।''

पाकिस्तान द्वारा किसी भी परियोजना के निर्माण की चेतावनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''उन्हें जो करना है, उन्हें करने दें। हमने उन्हें जवाब दिया है और अगर वे फिर से कुछ करते हैं, तो उन्हें उसी तरह का जवाब मिलेगा।''

तुलबुल परियोजना पर पाकिस्तान की कड़ी आपत्तियों के बाद 1987 में बीच में ही छोड़ दिया गया था। इस परियोजना की परिकल्पना झेलम के जल स्तर को स्थिर करने के लिए उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में निंगली के पास वुलर झील के नीचे तीन लाख एकड़ फुट की भंडारण क्षमता के साथ 439 फुट लंबा और 40 फुट चौड़ा बैराज बनाने की गई थी।

उद्घाटन

गुरुवार को बेंगलूरु में पुनर्निर्मित वेंकटप्पा चित्रशाला के उद्घाटन के अवसर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस अवसर पर वरिष्ठ मंत्री एचके पाटिल, विधान परिषद के मुख्य सचेतक सलीम अहमद, विधायक रिजवान अरशद, ब्रिगेड ग्रुप के अध्यक्ष जयशंकर और अन्य लोग मौजूद थे।

केनरा बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग दर में कटौती की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग दर (आरएलएलआर) को 8.75 प्रतिशत से घटाकर 8.25 प्रतिशत करने की घोषणा की है। यह दर एक्सटर्नल बेंचमार्क दर से जुड़े इसके एसेट्स पोर्टफोलियो पर लागू है।

यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नवीनतम मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो दर में 50 आधार अंकों की कटौती करने के बाद लिया गया है। यह वर्ष 2025 में आरबीआई द्वारा की जाने वाली लगातार तीसरी दर कटौती है, जो मुद्रास्फीति में कमी के बीच आर्थिक विकास के प्रति सहायक रुख का संकेत देती है।

बैंक के महाप्रबंधक एवं सीईओ के. सत्यनारायण राजू ने बताया कि वह अपने ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग अनुभव देने की प्रतिबद्धता के साथ आरएलएलआर को कम करके उधारकर्ताओं को उचित लाभ की पेशकश कर रहा है। संशोधित लेंडिंग दरें 12 जून से प्रभावी होंगी। आरएलएलआर में 0.50 प्रतिशत (50 आधार अंक) की कटौती की गई है, जो सीधे तौर पर आरबीआई की रेपो दर में कटौती को दर्शाती है। इस कदम से आरएलएलआर से जुड़े लोन लेने वाले ग्राहकों की उधार लेने की लागत कम हो जाएगी। अपने लोन की शर्तों के आधार पर ग्राहकों को कम ईएमआई या कम लोन अवधि का लाभ मिल सकता है।

बेंगलूरु भगदड़

अदालत ने आरसीबी के विपणन प्रमुख और तीन अन्य लोगों को रिहा करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चार जून को बेंगलूरु में मची भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) विपणन प्रमुख निखिल सोसले और तीन अन्य लोगों को बृहस्पतिवार को रिहा करने का आदेश दिया। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। उच्च न्यायालय से राहत पाने वाले अन्य लोगों में सुनील मैथ्यू, किरण कुमार एस और कार्यक्रम आयोजक कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड' के शमंत एनपी माविनाकेरे शामिल हैं। उन्हें छह जून को गिरफ्तार किया गया था। न्यायालय ने गिरफ्तार किये गये लोगों से अपना पासपोर्ट जमा करने को कहा है।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की पहली खिताबी जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। न्यायमूर्ति एसआर कृष्ण कुमार ने 11 जून को दलीलें सुनने के बाद सोसले की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सोसले और अन्य याचिकाकर्ता फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने नौ जून को सोसले और गिरफ्तार अन्य तीन लोगों को स्थानीय मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेश किया और नौ दिन की हिरासत मांगी थी लेकिन अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करते हुए मामले की सुनवाई को टाल दिया था।

न्यायाधीश ने 'रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड' और 'डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड' की याचिकाओं पर भी सुनवाई की। याचिका में दोनों कंपनियों के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। 'रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड', आरसीबी का प्रबंधन करती है। न्यायमूर्ति कृष्ण कुमार ने कहा कि इन याचिकाओं पर कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केसीएसए) द्वारा दायर याचिका के साथ सुनवाई की जाएगी।

जाति जनगणना राजनीति के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के लिए है : डीके शिवकुमार

अहमदाबाद विमान दुर्घटना दुखद और विनाशकारी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जाति जनगणना पर विपक्षी दलों के विपरीत और ढुलमुल रुख पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि जाति जनगणना को फिर से करने का कारण राजनीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय है। कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम जाति जनगणना को फिर से इसलिए कर रहे हैं क्योंकि राजनीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय है। पिछली जाति जनगणना की आलोचना करने वाले विपक्षी दल नई जाति जनगणना का विरोध कर रहे हैं। अगर उन्हें नई जनगणना से कोई समस्या है तो उन्हें मूल जाति जनगणना का समर्थन करने का रुख अपनाना चाहिए। विपक्षी दलों द्वारा जाति जनगणना को फिर से कराने के राज्य सरकार के फैसले की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, कुमारस्वामी, विजयेंद्र और आर अशोक को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर घोषणा करनी चाहिए कि वे पहले की जाति जनगणना के पक्ष में हैं। वे बहुत सारी टिप्पणियां कर रहे हैं, हम विधानसभा सत्र में उनका जवाब देंगे। मीडिया को जाति जनगणना पर विपक्ष के रुख में विरोधाभासों को उजागर करना चाहिए।

वे इसका राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों को अपने विचार रखने का अधिकार है। हमने लोगों और हमारे विधायकों की राय को ध्यान में रखते हुए जाति जनगणना को फिर से कराने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। कोई भी अदालत जा सकता है और धारा 11 के तहत रोक लगा सकता है, जिसमें कहा गया है कि जाति जनगणना पहले से ही 10 साल पुरानी है। रिपोर्ट 29 फरवरी को प्रस्तुत की गई थी। कैबिनेट ने इस पर 5-6 बार चर्चा की।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल भी दोबारा सर्वेक्षण की मांग कर रहे थे। लिंगायत और वोक्कालिगा द्वारा पहले की गई जाति जनगणना के विरोध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। इस सर्वेक्षण में सभी समुदाय शामिल होंगे। राज्य के बाहर रहने वाले कन्नड़ लोगों को अपना विवरण ऑनलाइन देने की अनुमति होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या हाई कमान के फैसले के बाद जनगणना फिर से की जा रही है, उन्होंने कहा, हाई कमान ने हमें केवल दिशा-निर्देश दिए हैं। समाज के सभी वर्गों को शामिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले का सर्वेक्षण पहले से ही 10 साल पुराना है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, यह विनाशकारी और दुखद है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। यह देश और दुनिया के लिए एक चौंकाने वाली खबर है। मेरी और मेरी पार्टी की प्रार्थनाएँ यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं। देश विमानन के क्षेत्र में बड़ी प्रगति कर रहा था, यह त्रासदी नहीं होनी चाहिए थी। यह पूछे जाने पर कि क्या दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में कोई कन्नड़ भी था, उन्होंने कहा, आइए इसे कन्नड़, गुजराती, तमिल आदि के नजरिए से न देखें। वे सभी भारतीय हैं, आइए उनके लिए प्रार्थना करें।

विमान दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखदायी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को एअर इंडिया उड़ान हादसे को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना करार देते हुए विमान में सवार सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से लंदन, गैटविक के लिए प्रस्थान कर रही थी और विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर कहा, ''गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर पाकर बहुत दुखी हूं जिसमें 200 से ज्यादा यात्री सवार थे।''

उन्होंने कहा, ''यह बहुत ही दुखद घटना है। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि प्रभावित हुए सभी लोगों को समय पर मदद और उपचार मिले।''

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य में नए सिरे से जाति आधारित सर्वेक्षण कराने का फैसला किया : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से नया सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण कराने का फैसला किया जिसे राज्य में बोलचाल की भाषा में 'जातिगत गणना' कहा जाता है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को नया सर्वेक्षण करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए 90 दिन का समय दिया जाएगा। उन्होंने, हालांकि सर्वेक्षण की लागत पर कोई टिप्पणी नहीं की।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंत्रिमंडल की विशेष बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''...हमने मंत्रिमंडल में फैसला लिया है। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नया सर्वेक्षण कराया जाए।'' उन्होंने कहा, सरकार कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से विचार विमर्श करेगी...हम नया सर्वेक्षण करने और रिपोर्ट देने के लिए 90 दिन का समय देने जा रहे हैं।''

राज्य मंत्रिमंडल का यह निर्णय मंगलवार को मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा राज्य सरकार को कर्नाटक में नए सिरे से जाति आधारित सर्वेक्षण कराने के निर्देश के बाद आया है ताकि कुछ समुदायों की चिंताओं का समाधान किया जा सके। इन समुदायों ने शिकायत की थी कि 10 साल पहले किए गए सर्वेक्षण में उन्हें शामिल नहीं किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम की धारा 11(1) के तहत राज्य सरकार को सर्वेक्षण कराना चाहिए, क्योंकि पिछले सर्वेक्षण के दस वर्ष हो चुके हैं। उन्होंने कहा, सभी पहलुओं और कानून पर विचार किया गया। चूंकि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण के दस वर्ष हो चुके हैं, इसलिए मंत्रिमंडल ने नया सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है; और अधिनियम की धारा 11(2) के अनुसार इस संबंध में आयोग से परामर्श करने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब मंत्रिमंडल पहले से ही सरकार को सौंपी गई सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विचार कर रहा था, जो 2015 में किए गए सर्वेक्षण पर आधारित थी। सर्वेक्षण रिपोर्ट पहली बार 11 अप्रैल को मंत्रिमंडल के समक्ष रखी गई थी, जिस पर तीन-चार बैठकों में चर्चा हो चुकी है। विभिन्न समुदायों, खासकर कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत ने 2015 में किए गए जाति सर्वेक्षण पर कड़ी आपत्ति जताई थी। समुदायों ने इसे 'अवैज्ञानिक' बताते हुए, इसे खारिज करने और एक नया सर्वेक्षण कराने की मांग की थी। सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर से भी इसके खिलाफ आवाजें उठ रही थीं। सिद्दरामय्या से जब पूछा गया कि क्या सरकार ने पिछली सर्वेक्षण रिपोर्ट और उसकी सिफारिशों को वापस ले लिया है, उन्होंने कहा कि (सर्वेक्षण के) दस साल हो गए हैं और कानून कहता है कि दस साल बाद नया सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। इसी के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार को कानून के बारे में जानकारी नहीं थी और उसे कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों का इंतजार करना पड़ा, सिद्दरामय्या ने कहा, जब मामला चर्चा के लिए आया तो हमने अधिनियम पर गौर किया। इस बीच, आलाकमान ने फोन करके सुझाव दिए।

केंद्र सरकार द्वारा अगली जनगणना में जातिगत गणना की घोषणा के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का सर्वेक्षण केंद्र से अलग होगा, क्योंकि उसने कहीं भी यह नहीं कहा है कि वे सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण करेंगे। संवाददाताओं ने जब मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या राज्य सरकार पार्टी आलाकमान के दबाव के आगे झुक गई है, तो उन्होंने कहा, हम आलाकमान के किसी दबाव के आगे नहीं झुके हैं। सरकार ने कानून के मुताबिक काम किया है।

सिद्दरामय्या ने भाजपा के इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि बेंगलूरु भगदड़ के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए ताजा सर्वेक्षण का मुद्दा उठाया गया है। मुख्यमंत्री से पूछा गया कि पहले की सर्वेक्षण रिपोर्ट में की गई सिफारिशों, जैसे मुस्लिम आरक्षण को बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने, का क्या होगा? इसके जवाब में उन्होंने कहा, नए सर्वेक्षण के बाद इसकी पुनः समीक्षा की जाएगी।

सुधामूर्ति को केएस हेगड़े चेरिटेबल फाउन्डेशन पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के यलहंका में निट्टे डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के ऑफ कैंपस में निट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के परिसर में 'हेगड़े चैरिटेबल फाउंडेशन अवार्ड 2025' प्रदान किए गए। निट्टे एजुकेशन ट्रस्ट और चांसलर, निट्टे डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष एन विनय हेगड़े ने सबसे प्रतिष्ठित न्यायमूर्ति केएस हेगड़े चेरिटेबल फाउन्डेशन पुरस्कार 2025' लेखिका, परोपकारी और इंफोसिस फाउन्डेशन की संस्थापक अध्यक्ष एवं राजसभा सदस्य सुधामूर्ति को प्रदान किया गया। यह फाउंडेशन न्यायमूर्ति के.एस. हेगड़े को सम्मानित करने के लिए बनाया गया है, जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष थे। प्रत्येक वर्ष उनके जन्मदिन के अवसर पर, यानी 11 जून को, फाउंडेशन उन लोगों को पुरस्कार देता है, जिन्होंने समाज के समग्र विकास के लिए अपना योगदान दिया है। अब तक न्यायमूर्ति के.एस. हेगड़े चैरिटेबल फाउंडेशन पुरस्कार डॉ. के. शिवराम कारंत, सुश्री मेधा पाटकर, श्री अरुण शौरी, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. प्रकाश आमटे और डॉ. मंदाकिनी आमटे सहित कई दिग्गजों को प्रदान किए जा चुके हैं। पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र, एक पट्टिका और नकद पुरस्कार शामिल है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एन. संतोष हेगड़े उपस्थित थे।

शुरुआत में निट्टे डीम्ड यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर डॉ. एम. शांताराम शेट्टी ने सभा का स्वागत किया। डॉ. संदीप शास्त्री, उपाध्यक्ष, निट्टे डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु परिसर ने पुरस्कार के बारे में जानकारी दी। डॉ. एम.एस. निट्टे डीम्ड विश्वविद्यालय के कुलपति मूडिथया ने प्रशस्ति पत्र पढ़ा और विशाल हेगड़े, प्रो-चांसलर (एडमिन), निट्टे डीम्ड विश्वविद्यालय ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर निट्टे एजुकेशन ट्रस्ट के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. एन.आर. शेट्टी उपस्थित थे।

भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच दक्षिण कन्नड़ जिले में 'ऑरेंज' अलर्ट जारी, स्कूल बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तटीय कर्नाटक में लगातार भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ दक्षिण कन्नड़ जिले के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। खराब मौसम की स्थिति के मद्देनजर, जिला अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों (सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी संस्थान) के लिए अवकाश की घोषणा की है। जिले के उपायुक्त मुल्लई मुहिलान ने आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल उपाय करना शुरू करना दिया है। जिला और तालुक दोनों स्तरों के अधिकारियों को अपने-अपने मुख्यालयों पर तैनात रहने और आपदा प्रबंधन प्रयासों में निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। आईएमडी मौसम की चेतावनियों के लिए 'रंग-कोड' का उपयोग करता है, जिससे संभावित मौसम की घटनाओं की गंभीरता को दर्शाया जा सके।'' इसका मुख्य उद्देश्य संबंधित अधिकारियों और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को मौसम के संभावित प्रभाव के बारे में पहले से ही सचेत करना है, जिससे वह आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित आवश्यक कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

'ऑरेंज अलर्ट' का अर्थ है संभावित बिजली कटौती और परिवहन, रेल, सड़क तथा हवाई यात्रा में संभावित व्यवधान के लिए तैयार रहें। आईएमडी ने दक्षिण कन्नड़ जिले के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। लोगों के लिए परामर्श जारी किया गया है जिसमें अभिभावकों से बच्चों को जलाशय, निचले इलाकों, नदियों और समुद्र तट के पास जाने से रोकने का आग्रह किया गया है। मछुआरों को भी समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों में नियुक्त नोडल अधिकारियों को सतर्क रहने और जनता की शिकायतों पर तुरंत कदम उठाने तथा जिला नियंत्रण कक्ष के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यटकों और स्थानीय लोगों को नदी के किनारों तथा तटीय क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

प्रत्येक तालुका को समर्पित निगरानी और राहत केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया है और विभागीय अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मौसम संबंधी किसी भी आपात स्थिति के लिए लोग जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकते हैं।

बेंगलूरु भगदड़ : उच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान मामले में दस्तावेज मिले

बेंगलूरु। स्थानीय एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना को लेकर स्वत: संज्ञान वाली याचिका से संबंधित सभी प्रासंगिक दस्तावेज कर्नाटक उच्च न्यायालय को बृहस्पतिवार को मिल गए। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गयी थी और 50 से अधिक घायल हुए थे। जब यह मामला सुनवाई के लिए आया, तो कन्नड़ में लिखे दस्तावेजों को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी एम जोशी की खंडपीठ के समक्ष सीलबंद लिफाफे में पेश किया गया। राज्य के महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने पीठ को आश्वस्त किया कि दो दिनों में इन दस्तावेजों का अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध करा दिया जाएगा।

अदालत ने अनुदित दस्तावेज को भी सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित हितधारकों के ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह के सभी आधिकारिक पत्राचार कर्नाटक के मुख्य सचिव की हिरासत में रखे जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई 17 जून को होगी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की ऐतिहासिक जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी और 50 से अधिक घायल हुए थे। इसके बाद उच्च न्यायालय ने पांच जून को इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया था। अदालत ने कर्नाटक सरकार को कारण की जांच करने और निवारक उपाय सुझाने के लिए नोटिस जारी किया था।

शेट्टी ने यह कहते हुए सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने की अनुमति मांगी थी कि इस मामले में जमानत याचिका की सुनवाई भी की जा रही है, ऐसे में सरकार के जवाब के किसी भी बिंदु का इस्तेमाल याचिकाकर्ता द्वारा किया जा सकता है। अदालत ने शेट्टी को सीलबंद लिफाफे में जवाब दाखिल करने की अनुमति दी थी और रजिस्ट्रार जनरल को इसे अपने कब्जे में रखने को कहा था।

कर्नाटक के मंत्री संतोष लाड गुरुवार को बेंगलूरु में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री अदिति प्रभुदेवा के साथ।

राज्य की प्रगति के लिए शिक्षा, सड़क सहित आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट होना अति महत्वपूर्ण : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राज्य की प्रगति के लिए शिक्षा, सड़क, चिकित्सा सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट होना अति महत्वपूर्ण है। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, कुम्हेर डीग के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को जो किन्ही भी कारण से अब तक लाभ से वंचित रह गए है उन्हें लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दूरवर्ती क्षेत्र जहां तक चिकित्सालय, राशन दुकान, विद्यालय आदि नहीं पहुंच पाए है वहां के लोगों को भी जागरूक करते हुए उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ दे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का मूल्यांकन करते हुए योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे आवासों में भूतल स्तर सही रखने, वेंटीलेशन सुविधा देने, आवास के दरवाजों को सही ढंग से बनाने सहित अन्य विषयों पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत के वास्तुकारों ने अद्भुत स्मारकों और महलों का निर्माण किया है जो आज भी अनुकरणीय हैं। ऐसे में निर्माण का मानक और स्तर दोनों ही उच्च गुणवत्ता के हो। इस संबंध में उन्होंने सहायक अभियंता से भी इस पर जानकारी ली और वास्तविक स्थिति के बारे में पूछा। उन्होंने जिले में अब तक जारी किए गए पट्टे के बारे में जानकारी ली एवं शेष बचे पट्टों को शीघ्र आवंटित करने के निर्देश दिए।

बागड़े ने स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण की समीक्षा करते हुए घर-घर शौचालय निर्माण, पेयजल की व्यवस्था, जलनिकास, साफ-सफाई आदि कार्यों को प्राथमिकता के साथ लेते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए। बागड़े ने प्रत्येक घर में शौचालय सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ग्राम पंचायतों का सर्वे कर डेटा तैयार करे। उन्होंने जिले में पिंक टॉयलेट के बारे में भी चर्चा की और शौचालय के सार्वजनिक उपयोग के लिए सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कचरा संधारण को लेकर उन्होंने कहा कि आम लोगों को जागरूक किया जाए कि वे कचरा सड़क पर न फेंके और न ही उसे जलाएं। उन्होंने कचरे के प्रबंधन को लेकर भूमि पर गड्ढे खोदने पर जोर दिया ताकि कचरे को जलाने के बजाय गड्ढों में रखा जा सके।

उन्होंने कहा कि जब गड्ढा भर जाए तो दूसरा गड्ढा खोदा जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि पाउडर, वर्मीकम्पोस्ट और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कचरे से खाद्य बनाई जा सकती है जिससे शहर में कचरे का उचित उपयोग हो सकेगा।

राज्यपाल बागड़े ने राजीविका के समुह द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में राजीविका के समुह द्वारा बनाए जा रहे व्यवसायों को बढ़ाने में उनकी मदद किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह की परिकल्पना तब ही साकार हो सकती है जब समूह स्वयं व्यवसाय करे और लाभदायक बनायें। उन्होंने समूहों को मुनाफ़ेवाला बनाने के लिए बैलेंस शीट तैयार करवाने, कच्ची सामग्री की लागत निर्धारण, उत्पादन लागत आदि सूचनाओं की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने टैंकर मुक्त गांव बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के पूर्ण होने के बाद यह सुनिश्चित किया जाए कि 25-30 साल तक टैंकर लगाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने विशेष रूप से अप्रैल, मई और जून के माह में घर-घर पानी सुचारू रूप से देने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्युत आपूर्ति को लेकर पीएम सूर्यघर योजना पर जोर देते हुए कहा कि जिले में प्रत्येक व्यक्ति को सौर ऊर्जा के लाभकारी फायदे के बारे में बताया जाए। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत काश्तकारों को स्वयं मिट्टी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि मनुष्य और पशु के समान ही मिट्टी भी बीमार होती है। समय-समय पर खेतों में नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि गुणकारक पदार्थों की संख्या कम होने लगती है जिसे देखते हुए काश्तकार उक्त योजना के तहत जरूरी कदम उठाए। उन्होंने पीएम जन औषधि केंद्रों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया की डीग जिले में पीएम जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने 10000 वाली बस्ती में एक औषधि केंद्र खोलने की बात कही। उन्होंने बताया कि यदि केंद्र खुलते हैं तो लोग अवश्य ही यहां से दवाइयां लेंगे। जन औषधि केंद्रों के खुलने से दवाई के नाम पर लिए जाने वाला कमीशन में भी गिरावट आएगी और गरीब लोगों, मजदूरों को इससे ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सकेगा।

बागड़े ने शिक्षा को लेकर कहा कि विभाग बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करें और उन्हें तार्किक दृष्टिकोण भी सिखाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षक भी सिर्फ टेक्स्ट बुक तक सीमित न होकर टेक्स्ट बुक से बाहर का ज्ञान भी विद्यार्थियों को दे। उन्होंने नन्हे बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शैक्षिक गतिविधियों में रोचकता जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में समुचित वातावरण रखा जाए जिससे बच्चों की मानसिक और शारीरिक क्षमता दोनों का ही विकास हो।

अहमदाबाद विमान हादसा

राजस्थान के 10 लोग भी सवार थे हादसे का शिकार हुए विमान में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुजरात के अहमदाबाद में बृहस्पतिवार को हादसे का शिकार हुए विमान में राजस्थान के कम से कम 10 लोग भी सवार थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इनमें उदयपुर के चार और बांसवाड़ा के पांच लोग शामिल हैं। लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान बृहस्पतिवार को गुजरात के अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 242 यात्री सवार थे और हादसे में कई लोग के हताहत होने की आशंका है। मिली जानकारी के अनुसार, इस विमान में सवार राजस्थान के यात्रियों में उदयपुर के संगमरमर कारोबारी संजीव मोदी के बेटे शुभ और बेटी शगुन भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि एमबीए स्नातक दोनों भाई-बहन अपने पिता के व्यवसाय से जुड़े थे और लंदन घूमने जा रहे थे। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने परिवार से मिलने और जानकारी जुटाने के लिए सहेली नगर स्थित उनके आवास का दौरा किया। मेहता ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीड़ितों के परिवार से बात की है और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। दुर्घटना का शिकार हुए विमान में उदयपुर जिले के वल्लभनगर क्षेत्र के रूंडेड़ा निवासी वरदीचंद मेनारिया भी सवार थे। वह हाल में लंदन से लौटे थे और अपने सहयोगी प्रकाश मेनारिया के साथ वापस जा रहे थे। दोनों ब्रिटेन में पाककला क्षेत्र में काम करते थे।

अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार यात्रियों में बाड़मेर जिले के अराबा (बालोतरा) की युवती खुशबू राजपुरोहित भी शामिल हैं। हादसे के शिकार हुए विमान में बांसवाड़ा की डॉ. कौमी व्यास, डॉ. प्रतीक जोशी, मिराया जोशी और प्रद्युत जोशी, नकुल जोशी भी थे। इनमें प्रद्युत और नकुल जुड़वा भाई थे। कौमी व्यास एक निजी अस्पताल में कार्यरत थीं और अपने पति के साथ रहने के लिए लंदन जा रही थी। अहमदाबाद में विमान हादसे के बाद राजस्थान भाजपा ने अपने सभी कार्यक्रम और बैठकें स्थगित कर दी हैं। प्रभारी मंत्रियों को आज से तीन दिन तक सभी जिलों का दौरा कर केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रेस वार्ता करनी थी। अब विमान हादसे के बाद ये सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत शुक्रवार को बांसवाड़ा में होने वाले कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया है। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित तमाम नेताओं ने अहमदाबाद विमान हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

भजनलाल शर्मा व गहलोत समेत अन्य नेताओं ने जताया दुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एयर इंडिया की फ्लाइट हादसे का शिकार हो गई। विमान के टेकऑफ के दौरान दीवार से टकराने की इस घटना ने सभी को दहला दिया। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत समेत कई दिग्गज नेताओं ने चिंता और दुख जताया। सभी ने यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखाएयर इंडिया की फ्लाइट के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों एवं क्रू मेंबर्स की कुशलता एवं सुरक्षा हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा- अहमदाबाद में हुए विमान हादसे का समाचार अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाला है। मैं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों एवं स्टाफ की कुशलता और सुरक्षित होने की कामना करता हूं। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने भी एक्स पर लिखाअहमदाबाद में यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार सुनकर मन व्यथित है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा और कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लिखाअहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से मैं बहुत चिंतित हूं। विमान में सवार सभी लोगों की सुरक्षा और कुशलता के लिए प्रार्थना करता हूं। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने लिखाअहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान का टेकऑफ़ के दौरान दीवार से टकराकर क्रैश होने का समाचार बेहद पीड़ादायक है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि विमान में सवार सभी यात्री एवं एयरलाइंस स्टाफ पूरी तरह सुरक्षित और सकुशल हों।

राजस्थान के अनेक इलाकों में भीषण लू की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान में गर्मी के और बढ़ने तथा तापमान में वृद्धि की चेतावनी जारी की है। राज्य के श्रीगंगानगर में बुधवार को तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जो देश में सबसे अधिक था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने तथा बीकानेर संभाग के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ में 12 एव 13 जून को अधिकतम तापमान 47 से 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने का अनुमान है।

इसने इन इलाकों में भीषण लू चलने और उष्ण रात्रि का दौर जारी रहने की चेतावनी दी है। वहीं राज्य के जोधपुर, जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग में भी आगामी तीन दिन अधिकतम तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व लू चलने के आसार हैं। राज्य के कोटा, उदयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में बादल गरजने, आंधी के साथ हल्की बारिश का दौर 14-15 जून से शुरू हो सकता है। जोधपुर, बीकानेर संभाग में भी 15 जून को दोपहर बाद आंधी चलने व हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। बुधवार दिन में अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 48 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यहां लगातार चौथे दिन तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया है।

राजस्थान में गर्मी ने नए रिकॉर्ड बना दिए हैं। गुरुवार को श्रीगंगानगर सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 48 डिग्री तक पहुंच गया। यह इस सीजन का सबसे गर्म दिन था। मौसम विभाग ने आज पूरे प्रदेश के लिए तेज गर्मी और लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में गर्मी ने इस बार कई सालों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बीते 24 घंटों में श्रीगंगानगर देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह 2019 के बाद अब तक का सबसे ज्यादा तापमान है, जब जून में 49 डिग्री तक पारा पहुंचा था।

अब तक पश्चिमी राजस्थान में ही भीषण गर्मी देखी जा रही थी, लेकिन अब पूर्वी राजस्थान भी इसकी चपेट में आ गया है। बीते 24 घंटों में प्रदेश के 8 शहरों में तापमान 45 डिग्री से अधिक रहा, जिनमें वनस्थली, दौसा, चूरू, बीकानेर, फलौदी, चित्तौड़गढ़, कोटा और श्रीगंगानगर प्रमुख हैं। जयपुर मौसम केंद्र ने 12 और 13 जून को बीकानेर संभाग में प्रचंड हीटवेव्स को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, अलवर, चित्तौड़गढ़ और धौलपुर में भी हीटवेव्स की चेतावनी दी गई है। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 44.7 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि आसपास के शहरों में पारा 45 डिग्री को पार कर गया। रात का तापमान भी 32.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

नशे के खिलाफ उतरीं महामंडलेश्वर ईश्वरी नंद गिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। प्रयागराज महाकुंभ में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं साध्वी ईश्वरी नंद गिरी महाराज बुधवार को झुंझुनूं पहुंचीं। सुनारों की बगीची में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ऐलान किया कि वे नशे के खिलाफ दो साल की यात्रा पर निकली हैं, जिसकी शुरुआत उन्होंने राजस्थान के चारभुजानाथ (मेवाड़) क्षेत्र से की है। उन्होंने कहा कि नशा नाश का कारण है और सवाल उठाया कि जब नशे के सौदागर आम लोगों तक आसानी से पहुंचते हैं, तो फिर पुलिस तक क्यों नहीं?

महामंडलेश्वर ने नशे के कारोबार पर पुलिस और प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आमजन का आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत नशे के फैलाव में शामिल है। उन्होंने अपील की कि प्रशासन को सक्रियता से नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने साधु के भेष में लोगों द्वारा नशा फैलाने पर भी विरोध जताया। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर ईश्वरी नंद गिरी ने गौ माता को राज्य माता का दर्जा दिलाने की वकालत की और देश को हिन्दू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक कदम है। ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने पर उठे विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि धर्म के प्रचार में आगे आने वालों का विरोध स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि ममता कुलकर्णी सनातन धर्म का प्रचार कर रही हैं, लेकिन विधर्मी लोगों को यह बात हजम नहीं हो रही।

महामंडलेश्वर ने समाज में बढ़ती हिंसा और अपराध को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आजकल पति की हत्या कर उसके शव को फ्रीज या ड्रम में छिपाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो संस्कारों की कमी को दर्शाती हैं। उन्होंने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आए।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत किया जनजागरूकता का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरूवार को चित्तोड़गढ़ जिले में सांवलिया सेठ मंदिर मंडल, मंडफिया स्थित गौशाला परिसर में पौधारोपण, टीकाकरण व स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। उन्होंने गौशालाओं के संरक्षण और संवर्धन को सांस्कृतिक व धार्मिक जिम्मेदारी बताया तथा गौमाता की सेवा के लिए सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कुमावत ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सिंदूर के पौधे का रोपण कर पर्यावरण के प्रति जनसहभागिता बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल संचयन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इस अवसर पर उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया तथा कहा कि आमजन को जल की महत्ता समझनी होगी। उन्होंने पानी की हर बूंद को कीमती बताया तथा कहा कि खेत का पानी खेत में, घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में रहे, यही जल संरक्षण की दिशा है। कार्यक्रम में कुमावत ने गाय को टीका लगाकर पशु स्वास्थ्य अभियान की भी शुरुआत की और जल सरोवर की साफ-सफाई कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। कुमावत ने सुझाव दिया कि मंदिर मंडल द्वारा गौशाला में साँवलिया जी का एक छोटा मंदिर तथा गौमाता की बड़ी प्रतिमा स्थापित की जाए एवं साँवलिया जी परिसर में भी गौमाता की प्रतिमा लगाई जाए।

उन्होंने पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट द्वारा एक लाख पौधे लगाने के संकल्प को सराहनीय बताते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना नहीं, उनका पोषण और संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर जोराराम कुमावत एवं जिला कलक्टर आलोक रंजन ने साँवलिया सरोवर के सफाई अभियान की शरुआत की। उन्होंने सांवलिया सेठ के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके बाद कुमावत ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। कार्यक्रम की शुरुआत में पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

बाघिन ने दिया दो शावकों को जन्म

भरतपुर। राजस्थान में करौली के कैलादेवी वन्यजीव अभयारण्य में बाघिन टी-135 ने दो शावकों को जन्म दिया है। वन विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया सपोटरा वन क्षेत्र के नैनियाकी रेंज में वन विभाग के कैमरे में बुधवार को बाघिन को दोनों शावकों के साथ देखे जाने की तस्वीर कैद हुई है। उन्होंने बताया कि इससे वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कैला देवी टाइगर अभयारण्य के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बाघिन और शावकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाते हुए क्षेत्र में अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। गश्ती दलों की संख्या बढ़ाई गई है।

बेसहारा और अनाथ रोगियों को मिल सकेगा नि:शुल्क इलाज : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मानवीय पहल एवं मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने असहाय, वंचित, मानसिक रूप से अक्षम, लावारिस और अज्ञात रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए संवेदनशील कदम उठाया है। अब इन रोगियों को राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एक संयुक्त एमओयू किया गया है। इसके तहत रजिस्टर्ड धर्मार्थ ट्रस्ट या एनजीओ के माध्यम से चिकित्सालयों में लाए जाने वाले रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाएगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि प्राय: यह देखने में आता था कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धार्मिक स्थल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर असहाय, मानसिक रूप से अक्षम, लावारिस या अज्ञात रोगी बेसहारा स्थिति में पाए जाते थे और ऐसे व्यक्तियों को धर्मार्थ ट्रस्ट या एनजीओ द्वारा चिकित्सालयों में लाया जाता था, लेकिन पहचान पत्र (आधार/जन आधार/अन्य) के अभाव में उन्हें मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना या अन्य योजनाओं में नि:शुल्क इलाज, ऑपरेशन या इंप्लांट लगाया जाना संभव नहीं हो पाता था।

राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योग का पूर्वाभ्यास

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान विधान सभा में सोमवार को प्रात: 6 बजे सामूहिक योग का आयोजन होगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सानिध्य में विधायकगण, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी योग आसन करेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत पूर्व अभ्यास के लिए यह आयोजन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आह्वान पर राजस्थान विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है ताकि जन सामान्य में जागृति पैदा हो सके। देवनानी ने कहा कि योग सनातन की महान विरासत है। इसे जन-जन का एक अभिन्न अंग बनाने के लिये लोगों को योग के प्रति जागरूक करना होगा। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इण्डियन योगा एसोसिएशन और क्रीडा भारती के सहयोग से राजस्थान विधान सभा के उत्तरी द्वार के समीप सामूहिक योग का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस योग कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के योग प्रोटोकॉल के अनुरूप आसन, प्राणायाम और ध्यान कराया जायेगा।

देवनानी ने कहा कि योग, दुनिया के लिए भारत की देन है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। वर्तमान में 193 सदस्य देशों में योग दिवस मनाया जाता है।

कृषि अभियान संपन्न हुआ, पर किसानों से संवाद जारी रहेगा : चौहान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को गुजरात के बारडोली में किसान सम्मेलन में 15 दिवसीय 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का समापन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभियान समाप्त होने के बावजूद किसानों के साथ सरकार का संवाद निरंतर जारी रहेगा। वर्ष 1928 में ब्रिटिश कर नीतियों के खिलाफ सरदार वल्लभभाई पटेल के बारदोली सत्याग्रह स्थल पर अपने संबोधन में चौहान ने किसानों के कल्याण के लिए अतीत और वर्तमान के संघर्षों के बीच समानताएं बताईं। उन्होंने कहा, ''मैं सरदार वल्लभभाई पटेल की इस कर्मभूमि पर आकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। इस दिन, 12 जून, 1928 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने बारदोली सत्याग्रह के लिए एक बैठक की थी।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड' विजन को लागू करने के लिए बनाए गए इस अभियान में 16,000 वैज्ञानिकों की 2,170 टीमें लगाई गईं, जिन्होंने देश भर में गांव-गांव जाकर शोध आधारित जानकारी उपलब्ध कराई। ये टीमें किसानों से सीधे जुड़ीं और स्थानीय जलवायु परिस्थितियों और क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध आधारित जानकारी उपलब्ध कराई। अभियान की व्यापक पहुंच पर प्रकाश डालते हुए चौहान ने कहा, ''अभियान के तहत करीब एक करोड़ 12 लाख किसानों से संवाद किया है और एक लाख से अधिक गांवों तक पहुंच सुनिश्चित की गई है।'' पखवाड़े भर चलने वाली इस पहल के दौरान 55,000 से अधिक स्थानों पर संवाद आयोजित किए गए। बयान में कहा गया कि कृषि मंत्री ने गुजरात के कृषि प्रदर्शन की प्रशंसा की और विशिष्ट फसलों में राज्य के नेतृत्व का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में हर वादा तोड़ा : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में अपना हर वादा तोड़ा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक खबर का हवाला भी दिया जिसमें दावा किया गया है कि पिछले सात वर्षों में 18 लाख उद्यम बंद हो गए। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, मोदी जी ने 11 साल में हर वादा तोड़ा । दो करोड़ नौकरियां? (वादा) जुमला बन गया । पकोड़े तलवाए, फॉर्म भरवाए, लेकिन कोई दिशा नहीं दी। उन्होंने दावा किया, डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं, तैयारी के बाद भी भर्ती नहीं, मेहनत के बाद भी सम्मान नहीं। यह सिर्फ़ बेरोज़गारी नहीं, यह देश के युवाओं की उपेक्षा है। उन्हें एक सपना दो। उन्हें राष्ट्रनिर्माण में भागीदार बनाओ। कांग्रेस नेता ने कहा कि 'रोज़गार क्रांति' अब ज़रूरी है, लेकिन यह सरकार इस समस्या को सुलझा नहीं सकती, क्योंकि वह खुद इसका कारण है।

कांग्रेस ने सरकार से कहा: न्यायमूर्ति वर्मा के मामले पर जांच समिति की रिपोर्ट साझा करें

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सरकार से न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने वाली उच्चतम न्यायालय की समिति की रिपोर्ट उसके साथ साझा करने के लिए कहा है ताकि वह संसद के मानसून सत्र से पहले महाभियोग के मुद्दे पर अपना रुख तय कर सके। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अभी तक इस संबंध में कोई जवाब नहीं दिया है। न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास पर इस साल मार्च में आग लगने के बाद कथित तौर पर नकदी से भरे कई अधजले बोरे पाए गए थे। उस समय वह दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।

बाद में उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित समिति ने कई गवाहों से बात करने और वर्मा का बयान दर्ज करने के बाद उन्हें दोषी ठहराया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 21 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा शुरू कर दी है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने रीजीजू से समिति की रिपोर्ट साझा करने को कहा है ताकि वह महाभियोग के मुद्दे पर अपना रुख तय कर सके। उन्होंने कहा कि मंत्री ने कांग्रेस को कोई जवाब नहीं दिया है। पिछले सप्ताह रीजीजू ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने में सभी राजनीतिक दलों को साथ लेने के सरकार के संकल्प पर जोर दिया था और कहा था कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को ''राजनीतिक चश्मे'' से नहीं देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि यह प्रक्रिया ''सहयोगात्मक प्रयास'' हो।

छात्र सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसी संपत्ति सामूहिक प्रयास का परिणाम है और किसी भी परिस्थिति में इसे नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

मेधावी छात्रों को सम्मानित करने और स्कूल खेल पुरस्कार वितरित करने के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''सार्वजनिक संपत्ति निजी संपत्ति नहीं है - यह पूरे समाज के योगदान से बनी है। अगर कोई इसे नुकसान पहुंचाता है तो वह देश को नुकसान पहुंचा रहा है। इस तरह के कृत्यों को रोका जाना चाहिए, सूचना दी जानी चाहिए और उजागर किया जाना चाहिए।'' आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की रिकॉर्डिंग करने और सूचना देकर कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''आप सभी के पास मोबाइल फोन हैं। अगर आप किसी को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते देखें तो उसका वीडियो बनाएं और उसे वायरल करें। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पोस्टर के जरिए उस व्यक्ति की पहचान की जाए और उससे वसूली की जाए।'' उन्होंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की नकल-मुक्त परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए प्रशंसा की और 2017 से राज्य की शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''पहले, शिक्षा के नाम पर सामूहिक नकल एक धंधा बन गया था। लोग परीक्षा फॉर्म भरते थे और परीक्षा देने के लिए किसी और को नियुक्त करते थे। परिणाम प्रमाणपत्र के साथ घर भेजे जाते थे। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी थी।''

उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने इस तरह की अवैध गतिविधियों को बंद करने और एक पारदर्शी, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली बनाने के लिए खुद की सरकार को श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि पहले जिन परीक्षाओं को आयोजित करने में दो से तीन माह लगते थे वे अब सिर्फ 13 दिन में समाप्त हो जाती हैं।

अखिलेश यादव ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के बारे में तत्काल स्पष्टीकरण की बृहस्पतिवार को मांग की। इस दुर्घटना में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। लंदन जा रहा 'एअर इंडिया' का विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 242 यात्री और चालक दल सवार थे।

'बोइंग' विमान अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास मेघाणीनगर इलाके में अपराह्न दो बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यादव ने कहा, ''अहमदाबाद प्लेन क्रैश का तुरंत स्पष्टीकरण आए जिससे आशंकाओं का उन्मूलन हो सके।'' उन्होंने कहा, ''यात्रियों और क्रू के सदस्यों, सभी के लिए प्रार्थनाएं। सर्वोच्च स्तरीय बचाव, राहत और उपचार उपलब्ध कराया जाए।'' यादव ने बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होना बहुत दुखद है। विमान दुर्घटनाएं बड़ी घटनाएं होती हैं। इस घटना के बारे में अभी सीमित जानकारी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यात्रियों के लिए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया होगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भले ही यह एक बड़ी दुर्घटना है, लेकिन इसमें कोई जान-माल का नुकसान न हो। हमारे पायलट भी सुरक्षित रहें, यही मेरी प्रार्थना है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में हुए 'क्रांतिकारी परिवर्तन'

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले एक दशक के दौरान भारत में हुए 'क्रांतिकारी परिवर्तन' की बृहस्पतिवार को सराहना करते हुए इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया।

मुख्यमंत्री ने एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित मेधावी छात्रों के सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में एक 'नया भारत' उभर रहा है जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन की विशेषता रखता है।

मुख्यमंत्री ने प्रौद्योगिकी को तरक्की की बुनियाद व जनसेवा को शासन का साधन करार देते हुए कहा, ''सरकार का मतलब मालिक नहीं है। सरकार का मतलब राजा नहीं है। सरकार का मतलब वह है जो आम आदमी के लिए भागीदार बन सके।'' उन्होंने कहा कि सरकार को आम लोगों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और जनसेवा को अपने जीवन का संकल्प बनाना चाहिए।

आदित्यनाथ ने अपने पिछले आठ वर्षों के कार्यकाल में राज्य में 'नकल-मुक्त' परीक्षा आयोजित कराने की अपनी सरकार की रणनीति पर प्रकाश डाला और कहा कि इसके सकारात्मक परिणाम अब बिल्कुल जाहिर हो गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज उत्तर प्रदेश के युवा और अन्य नागरिक चाहे वे देश में हों या दुनिया में कहीं भी जाएं, उनसे कोई उनकी योग्यता को लेकर सवाल नहीं करेगा।''

ओडिशा में भाजपा सरकार का एक साल

मुख्यमंत्री माझी ने 'विकास वाहन' रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को 'विकास वाहन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन ओडिशा के लोगों को केंद्र और राज्य में भाजपा शासन द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करेंगे।

इस अवसर पर भुवनेश्वर के महात्मा गांधी मार्ग पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव मनोज आहूजा ने कहा कि 'विकास वाहन यात्रा' एक 10 दिवसीय कार्यक्रम है जो 12 जून से 21 जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह यात्रा ओडिशा के 314 प्रखंडों के सभी 6,794 ग्राम पंचायत मुख्यालयों, पांच नगर निगम क्षेत्रों और 115 शहरी स्थानीय निकायों से गुजरेगी। उन्होंने कहा कि पंचायती राज और पेयजल विभाग द्वारा शुरू किया गया यह अभियान सरकार की विकास योजनाओं की सफलता की कहानियां लोगों तक पहुंचाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की कुछ प्रमुख योजनाओं जैसे 'विकसित गांव विकसित ओडिशा', 'सुभद्रा योजना', 'अंत्योदय गृह योजना', आदिवासी और अनुसूचित जाति कल्याण, युवाओं के लिए कौशल विकास और विभिन्न खेलों को बढ़ावा देना, कृषि के लिए सब्सिडी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम नीति-2020, गोदावरीश मिश्र आदर्श विद्यालय योजना, शिशु वाटिका कार्यक्रम को रेखांकित किया। माझी ने कहा, ''लोगों से कहा जाएगा कि वे योजनाओं का लाभ उठाएं, जिसका उद्देश्य उनका जीवन बेहतर बनाना है।'' पंचायती राज एवं पेयजल मंत्री रवी नारायण नाइक ने कहा कि लोगों को योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि भाजपा सरकार का एकमात्र उद्देश्य लोगों को सशक्त बनाना और उनके जीवन स्तर में सुधार करना है।

मेरा एकमात्र लक्ष्य ओडिशा के लोगों की सेवा करना है: माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के लोगों की सेवा करना ही उनका एकमात्र लक्ष्य और उद्देश्य है। राज्य में भाजपा की सरकार के शासन का एक वर्ष पूरा होने अवसर पर माझी ने यह बात कही।

माझी ने 12 जून 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, आज से एक वर्ष पूर्व, भगवान जगन्नाथ की कृपा और आप सभी के विश्वास एवं समर्थन से हमने सरकार बनाई थी। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मैंने ओडिशा की इस पावन भूमि पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

उन्होंने लिखा, जनसेवा ही मेरा एकमात्र लक्ष्य और उद्देश्य है... मैंने स्वयंसेवक, शिक्षक, सरपंच, विधायक और अब मुख्यमंत्री के रूप में लगातार आपकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किया है और करता रहूंगा।

मोदी सरकार ने 11 साल के शासन में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लोकतांत्रिक बनाया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिससे भारत पिछले 11 वर्षों में दुनिया में एक अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के नौ जून को 11 साल पूरे हो गए। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का दोहन किया है, जिससे भारत बीते 11 साल में दुनिया में एक अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है। गृह मंत्री ने कहा कि चाहे स्वास्थ्य सेवा हो, शिक्षा हो, व्यापार हो या वाणिज्य, प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल क्रांति के माध्यम से अर्थव्यवस्था और समाज के हर क्षेत्र को बदल दिया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पिछले 11 वर्षों में, भारत ने डिजिटल रूप से सशक्त समाज बनाने की दिशा में अपनी यात्रा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बयान में कहा गया है कि देश ने दूरदराज के गांवों में इंटरनेट पहुंच का विस्तार करने से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण में क्रांति लाकर शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट दिया है। बयान में कहा गया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था 2024-25 तक बढ़कर 13.42 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल बुनियादी ढांचे में प्रगति से प्रेरित है।

पश्चिम बंगाल: बज बज में विस्फोटक सामग्री जब्त, पांच लोग गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के 'बज बज' इलाके से विस्फोटक सामग्री जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि बुधवार रात करीब पौने नौ बजे इलाके से विस्फोटक सामग्री ले जाने के लिए इस्तेमाल की गई तीन बाइक भी जब्त की गई हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद की गई विस्फोटक सामग्री में सोडियम पाउडर, एल्युमीनियम पाउडर, फॉस्फोरस का बुरादा, लाल सल्फर और लोहे के कण शामिल हैं तथा इनका इस्तेमाल बम बनाने में किया जाता है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

राम जन्मभूमि के आसपास खुली शराब की दुकानें, यह अयोध्या का अपमान है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अयोध्या में राम जन्मभूमि के आसपास शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं जबकि प्रशासन ने 13 किलोमीटर के दायरे में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया था।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह अयोध्या का अपमान है। राज्य सरकार की तरफ से फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

राय ने संवाददाताओं से कहा, ''अयोध्या में नगर निगम कार्यसमिति ने एक मई, 2025 को राम पथ के 13 किलोमीटर के दायरे में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन असलियत यह है कि रामजन्मभूमि के आसपास के कई इलाकों में शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं।'' उन्होंने दावा किया कि जिस अयोध्या को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, उसका सच अब सामने आ गया है। राय ने कहा, ''साफ़ है कि इस सरकार ने पैसे कमाने के लिए अयोध्या में शराब की दुकानें खोली हैं। भगवान राम की अयोध्या नगरी को मदिरामय कर दिया गया है। यह अयोध्या का अपमान है।'' उन्होंने 'बीबीसी' की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, ''सरकारी आंकड़े बनाम जमीनी सच्चाई सबके सामने है, बाकी महाकुंभ को लेकर सरकार ने अभी तक कोई आंकड़ा जारी नहीं किया। सरकार ने भगदड़ में 37 मौतों की पुष्टि की, जबकि एक रिपोर्ट के अनुसार 82 लोगों की मौत हुई है।'' कांग्रेस नेता के अनुसार, सरकार ने 36 लोगों को 25-25 लाख रुपए दिए, 26 लोगों को 5-5 लाख रुपए दिए। उन्होंने दावा किया कि यह पैसा जिला अधिकारी और तहसील के लोग देते हैं लेकिन सरकार ने पैसे पुलिस से दिलवाए जो कि अपने आप में बड़ा सवाल है। राय ने कहा, ''महाकुंभ भगदड़ के मृतकों में 19 लोगों का कोई वारिस नहीं था। दुर्भाग्य यह रहा कि सरकार ने केएन वासुदेवाचार्य का नाम 'लावारिस' की सूची में डाल दिया और उनके शव का वाराणसी में 'लावारिस तरीके' से अंतिम संस्कार कराया।

इंग्लैंड दौरे को यादगार बनाने के लिए हर गेंद पर चुनौती पेश करें : गौतम गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेकेनहैम (इंग्लैंड)/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम से अपने 'कम्फर्ट जोन' (सहज स्थिति) से बाहर निकलने और संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा तथा आर अश्विन की अनुपस्थिति में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला को 'यादगार' बनाने को कहा।

भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीम के बीच पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला 20 जून को लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। गंभीर ने 'बीसीसीआई.टीवी' से अश्विन, रोहित और कोहली के हाल ही में संन्यास का जिक्र करते हुए कहा, ''इस दौरे को देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि हम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना हैं या हमें देश के लिए कुछ खास करने का यह अभूतपूर्व अवसर मिला है।'' भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह शुभमन गिल की अगुआई वाली मौजूदा टीम में कुछ खास हासिल करने के लिए 'जुनून और प्रतिबद्धता' महसूस कर सकते हैं। उन्होंने

कहा, ''जब मैं इस समूह को देखता हूं तो मुझे कुछ खास करने की भूख, जुनून और प्रतिबद्धता दिखती है। अगर हम त्याग करते हैं, अगर हम अपनी सहज स्थिति से बाहर आते हैं, अगर हम हर दिन नहीं बल्कि हर सत्र, हर घंटे और हर गेंद पर चुनौती पेश करना शुरू करते हैं तो मुझे लगता है कि हम इसे एक यादगार दौरा बना सकते हैं।'' गंभीर ने इंग्लैंड दौरे पर पूरी टीम का स्वागत किया और बी साई सुदर्शन से शुरुआत करते हुए कुछ सदस्यों की विशेष सराहना की।

भारतीय कोच ने कहा, ''पहली बार टेस्ट टीम में बुलाया जाना हमेशा खास होता है इसलिए मैं साई का स्वागत करना चाहता हूं जिनके लिए बल्ले से तीन महीने शानदार रहे हैं और सुनिश्चित कीजिए कि आपका लाल गेंद का करियर बेहद सफल हो।'' गंभीर ने उम्मीद जताई कि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह टेस्ट क्रिकेट में भी अपना प्रभाव छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं अर्शदीप सिंह का स्वागत करना चाहता हूं। आपने सफेद गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है और मुझे यकीन है कि आप लाल गेंद से भी अपना जलवा बिखेरेंगे।'' इस 43 वर्षीय कोच ने इसके बाद गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत की पीठ भी थपथपाई।

गंभीर ने कहा, ''मैं शुभमन को भी बधाई देना चाहता हूं जो पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। अपने देश की टेस्ट टीम का नेतृत्व करने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। बधाई हो। ऋषभ पंत को भी जो अब नेतृत्व समूह का हिस्सा हैं।''

बांके बिहारी कॉरिडोर : प्रभावित सेवायतों को रुक्मिणी विहार में बसाएगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले में वृन्दावन स्थित बांके बिहारी मंदिर के आसपास साढ़े पांच एकड़ क्षेत्र में कॉरिडोर बनाने की योजना के क्रियान्वयन से प्रभावित होने वाले सेवायतों, गोस्वामियों और स्थानीय निवासियों को रुक्मिणी विहार और सुनरख बांगर में बसाने का निर्णय लिया गया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि कॉरिडोर के लिए जमीन अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले परिवारों के पुनर्वास हेतु मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण द्वारा रुक्मिणी विहार और सुनरख बांगर में 275 परिवारों के लिए भूमि का चयन कर लिया गया है जहां उनकी मांग के अनुसार फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इनमें वे 200 दुकानदार भी शामिल हैं जिनकी दुकानें कॉरिडोर के दायरे में आ रही हैं। सिंह ने बताया कि सभी प्रभावित दुकानदारों को कॉरिडोर में बनने वाली दुकानें आवंटित की जाएंगी और इसी प्रकार गोस्वामियों को सुनरख बांगर अथवा रुक्मिणी विहार में से किसी एक जगह बसने का विकल्प दिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी प्रभावित लोगों को जमीन और भवन के अनुसार मुआवजा भी दिया जाएगा। प्रस्तावित आवासीय योजना की जानकारी देते हुए मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि रुक्मिणी विहार आवासीय योजना हेतु चार बड़े भूखंड चयनित किए गए हैं जहां एक और दो कक्ष वाले 325-350 फ्लैट तैयार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर आसपास के क्षेत्र में जमीन चिह्नित कर फ्लैट की संख्या और भी बढ़ाई जा सकती है। सिंह ने बताया कि सेवायत गोस्वामियों को कॉरिडोर प्रोजेक्ट के लिए सहमत किए जाने के साथ पूरे इलाके में सर्वेक्षण की प्रक्रिया भी जोर-शोर से जारी है और अब तक अधिकांश प्रभावित परिवार, व्यापारी व सामाजिक संगठन कॉरिडोर निर्माण के लिए सहमति दे चुके हैं।

सुविचार

कृष्ण की बांसुरी ने दुनिया को मोहित किया, पर राधा के लिए तो ये उनकी आत्मा की पुकार थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोच-समझकर चुनें अपना 'हीरो'

जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज ने बेंगलूरु में श्रीराम कथा के दौरान जिस तरह 'हीरो' के गुण बताए हैं, उनसे सबको, खासकर युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। निस्संदेह भगवान श्रीराम हमारे इतिहास के सबसे बड़े नायक हैं। हमें उनका अनुसरण करना चाहिए। युवाओं को तो अपना आदर्श चुनने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। जब भारतीय स्वतंत्रता संग्राम चल रहा था, तब युवाओं के नायक महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, सरदार पटेल आदि थे। उस दौरान युवाओं के निजी कक्षों में इनके अलावा रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद जैसे दिव्य संतों के चित्र लगे होते थे। आज स्थिति काफी बदल गई है। अगर यह कह दिया जाए कि कल सुबह इन महापुरुषों के 'जीवन एवं संदेश' पर चर्चा करेंगे तो युवा आएंगे, लेकिन बहुत कम। वजह होगी– 'समय नहीं मिला, काफी काम था।' वहीं, अगर सोशल मीडिया पर इतनी–सी बात पोस्ट कर दी जाए कि 'कल आपके मोहल्ले में एक ऐसा मशहूर शख्स आ रहा है, जिसने किसी फिल्म (जिसमें आपत्तिजनक दृश्य भी रहे होंगे) में किरदार निभाया था और इन दिनों वह जुआ–सट्टा वाले किसी ऐप के विज्ञापन में छाया हुआ है', तो उसके लिए पलक पांवड़े बिछ जाएंगे। आज का युवा जिन्हें अपना 'हीरो' मान बैठा है, वे क्या कर रहे हैं और क्या संदेश दे रहे हैं? एक स्वस्थ समाज के लिए मनोरंजन की जरूरत होती है, लेकिन उसकी मर्यादा होनी चाहिए। आज के कुछ कथित हीरो फिल्मों और वेब सीरीज में धड़ल्ले से अभद्र शब्द बोलते नजर आते हैं। कुछ फिल्में और सीरीज तो ऐसी हैं, जिन्हें अकेले बैठकर देखने से भी शर्म महसूस होती है। युवा सोशल मीडिया पर उन दृश्यों के मीम्स बनाते हैं, दोस्तों के बीच उनके शब्दों को खास अंदाज में दोहराते हैं।

क्या इस तरह हम विश्वगुरु बनेंगे? आज हम जिन्हें अपने 'हीरो' मान रहे हैं, वे हमें किस ओर लेकर जा रहे हैं? उनमें से कोई तो गुटखे का विज्ञापन कर रहा है, कोई कलाबाजियां दिखाते हुए ऐसे पेय का प्रचार कर रहा है, जो सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक 'हीरो' तो जल्द अमीर बनने का ख्वाब दिखाते हुए मोबाइल फोन में ऐसा ऐप डाउनलोड करने के लिए कह रहा है, जिससे कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं। फिर भी लोग सबक लेने को तैयार नहीं! भगवान श्रीकृष्ण ने 'महाभारत' के माध्यम से यह दिखाया था कि जुआ बहुत बुरा होता है। इससे खानदान उजड़ जाते हैं, राजपाट नष्ट हो जाते हैं। हाल में एक चर्चित फिल्म में नजर आई अभिनेत्री भी ऐसे ऐप का प्रचार कर रही हैं। उनके करोड़ों फैन हैं। युवा उनके 'आग्रह' पर अपने मोबाइल फोन में वह ऐप धड़ाधड़ डाउनलोड कर रहे हैं। किसी ने अपनी कॉलेज फीस दांव पर लगा दी, तो कोई वर्षों की बचत लगाकर करोड़पति बनना चाहता है। किसी ने उधार लेकर रुपए लगाए, तो किसी ने अपने ही घर में सेंध लगा दी। अगर अपना 'हीरो' चुनते समय अक्ल से काम लिया होता, तो ऐसा हर्गिज नहीं होता। याद रखें, किसी 'हीरो' के कहने पर हानिकारक पदार्थ का सेवन करेंगे और सेहत बिगड़ेगी तो वह आपकी मदद करने नहीं आएगा। अगर जुआ–सट्टा का ऐप डाउनलोड कर दांव लगा दिया और सबकुछ हार गए तो वह 'हीरो' अपनी कमाई से आपके नुकसान की भरपाई नहीं करेगा। अगर किसी फिल्म या वेब सीरीज में दिखाई गई अमर्यादित जीवनशैली को अपनाएंगे तो कोई 'हीरो' समझाइश करने नहीं आएगा। जो शख्स मनोरंजन जगत में अच्छा काम करे, उसे जरूर सराहें, लेकिन जिनका अनुसरण करें, उनका चयन बहुत सोच–समझकर करें।

ट्वीटर टॉक

गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है विमान में यात्रा कर रहे सभी यात्रियों, पायलट एवं कर्मी दल के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

–दीया कुमारी

गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद एवं चिंताजनक है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों एवं चालक दल के सदस्यों की कुशलता एवं सुरक्षा हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ।

–भजनलाल शर्मा

आज अरुणाचल प्रदेश प्रवास के दौरान नामसाई में केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद करके योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक की एवं जनहितकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

–अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

भीतर की दिव्यता

स्वामी विवेकानंद एक बार शिष्यों से कह रहे थे कि जीवन का सार आत्मसाक्षात्कार में निहित है। केवल बाहरी उपलब्धियां या भौतिक सुख आत्मा को पूर्ण नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जैसे अग्नि अपने भीतर निहित ताप और प्रकाश को दबा नहीं सकती, उसी प्रकार आत्मा भी अपने स्वभाव के अनुसार ज्ञान और आनंद को प्रकट करना चाहती है। परन्तु यह प्रकट होना स्वाभाविक नहीं होता, इसके लिए मनुष्य को अपने भीतर गहराई से झांकना पड़ता है। स्वामीजी ने कहा कि हम अक्सर बाहरी दुनिया के आकर्षणों में इतने उलझ जाते हैं कि अपनी असली शक्ति को पहचानना भूल जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि साधना और समर्पण के बिना आत्मसाक्षात्कार संभव नहीं। जब व्यक्ति मन, वासनाओं और अहंकार के परदे से मुक्त हो जाता है, तब उसके भीतर की दिव्यता स्वतः जाग्रत हो जाती है। इसी जागृति को जीवन का सार कहा गया है। उन्होंने शिष्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कठिनाइयों और असफलताओं से भयभीत न होकर, उन्हें आत्मबोध की सीढ़ी मानकर स्वीकार करो। इसी संघर्ष में हमारी छिपी हुई क्षमताएं खुलती हैं और अंततः मनुष्य वह पूर्णता प्राप्त करता है जिसके लिए वह जन्मा है।

सामयिक

संयुक्त राष्ट्र की एक पूर्व रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2023 में जनसंख्या के मामले में चीन से आगे निकलना शुरू किया, जिस पर लोकसत्ता ने 'लाभांश की अक्षमता' (20 अप्रैल, 2023) शीर्षक वाले संपादकीय में टिप्पणी की थी। उस समय, भारत की जनसंख्या ने चीन को 142.86 करोड़ से पीछे छोड़ दिया था। चीन की जनसंख्या भारत (142.57 करोड़) से केवल 3 मिलियन कम थी। यह किया गया था। चीन इस अनुमान से चूक गया। दूसरे शब्दों में, चीन ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया।

धरती पर हर छठा इंसान भारतीय

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत जनसंख्या के मामले में सभी देशों से आगे निकल गया है और अगले 40 वर्षों में जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूएनएफपीए की 2025 स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट में जनसंख्या और प्रजनन क्षमता को लेकर रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट का शीर्षक द रियल फर्टिलिटी क्राइसिस है। इसमें भारत की घटती प्रजनन दर पर चिंता व्यक्त की गई है। इस तरह से ये आंकड़े इस बात पर जोर देते हैं कि लाखों व्यक्ति अपनी वास्तविक प्रजनन आकांक्षाओं को हासिल करने में असमर्थ हैं। मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 2025 विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि अब से 40 साल बाद जनसंख्या में गिरावट शुरू होने से पहले लगभग 1.7 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। वहीं इस साल चीन की आबादी 1.41 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।बीते वर्ष जुलाई में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट विश्व जनसंख्या संभावना–2024 के मुताबिक, पिछले वर्ष भारत की जनसंख्या 1.44 अरब थी।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि प्रति महिला 2.1 जन्मों की प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन क्षमता से भी कम है। इसका मतलब ये है कि महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या को बनाए रखने के लिए आवश्यक से कम बच्चे पैदा कर रही हैं।

गौर करें तो जन्म दर में गिरावट के बावजूद, भारत की युवा आबादी काफी बड़ी है। इसमें 24 प्रतिशत 0–14 वर्ष की आयु के हैं। 17 प्रतिशत 10–19 वर्ष की आयु के हैं। और 26 प्रतिशत 10–24 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। इसके अतिरिक्त, 68 प्रतिशत आबादी कामकाजी आयु (15–64) की है। ये संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रस्तुत करती है। बशर्ते पर्याप्त रोजगार और इसको सपोर्ट करती हुई नीतियां बनें। मौजूदा समय में बुज़ुर्ग आबादी (65 वर्ष और उससे ज़्यादा) 7 प्रतिशत है। आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ इस आंकड़ों में वृद्धि होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 तक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है। इन आंकड़ों के पीछे उन लाखों दम्पतियों की कहानियां हैं, जिन्होंने अपना परिवार शुरू करने या बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही उन महिलाओं के अनुभव भी हैं जिनके पास गर्भधारण करने के संबंध में सीमित विकल्प थे, चाहे वे कब, कितनी बार या गर्भवती हों।

यह भी बताया जाता है कि अगले 40 वर्षों में 240 मिलियन और जुड़ जाएगी और फिर भारत की जनसंख्या पहले बस जाएगी और फिर कुछ हद तक घट जाएगी। यह सिर्फ आशावाद नहीं है, बल्कि आंकड़ों का आधार देश की औसत प्रजनन दर में गिरावट है। किसी ने कितने बच्चों को जन्म दिया है, इसकी कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 'कुल प्रजनन दर' के कारक से निर्धारित की जा सकती है। अर्थात, प्रति महिला बच्चों की संख्या प्रति व्यक्ति जन्म देती है। इतने लंबे समय तक यह 2.1 थी। अब यह घटकर 1.9 प्रतिशत हो गई है। 'स्थानांतरण दर 'से कम है। जनसंख्या के स्थिर रहने के लिए 'प्रतिस्थापन दर' एक आवश्यक कारक है। यह स्थानांतरण दर दर्शाती है कि जितने अधिक लोग मरते हैं, उतने ही नए जीव पैदा होते हैं। 'जितने गए, उतने ही आए' के अनुपात को बनाए रखने के लिए। हमारी प्रजनन दर को पहली बार 1.9 प्रतिशत तक नीचे आना होगा। तो यह 'जो चला गया है उससे कम' होगा और अगर यह जारी रहा, तो कुछ समय बाद जनसंख्या कम हो जाएगी। यह मानना भोलापन होगा कि भारत को 'जल्द' विकसित देशों में गिना जाएगा। जो लोग ऐसा महसूस करते हैं, वे यह मानने के लिए स्वतंत्र हैं कि भारत को विकसित देशों में गिना जाएगा। दूसरों के लिए इस वास्तविकता का सामना करना बेहतर है।

संयुक्त राष्ट्र की एक पूर्व रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2023 में जनसंख्या के मामले में चीन से आगे निकलना शुरू किया, जिस पर लोकसत्ता ने 'लाभांश की अक्षमता' (20 अप्रैल, 2023) शीर्षक वाले संपादकीय में टिप्पणी की थी। उस समय, भारत की जनसंख्या ने चीन को 142.86 करोड़ से पीछे छोड़ दिया था। चीन की जनसंख्या भारत (142.57 करोड़) से केवल 3 मिलियन कम थी। यह किया गया था। चीन इस अनुमान से चूक गया। दूसरे शब्दों में, चीन ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि 1.56 प्रतिशत थी। उस समय, यह अनुमान लगाया गया था कि 2050 तक, भारत लगभग 1.67 बिलियन मनुष्यों के पालन–पोषण के लिए जिम्मेदार होगा। वर्तमान रिपोर्ट उसी गति को दर्शाती है। अगले 40 वर्षों में, हम 'एक सौ सत्तर–कोने' के निशान तक पहुंच गए हैं। उस समय, चीन की आबादी लगभग 131 करोड़ होगी। यानी भारत और चीन की वर्तमान जनसंख्या से भी कम।

यानी इस देश में दस लाख से अधिक लोगों को अपनी प्रजनन क्षमता का उपयोग करने का अवसर नहीं है। इसके कारण आर्थिक से अधिक सामाजिक हैं। महिलाओं को अभी भी यह तय करने का अधिकार नहीं है कि क्या शादी करनी है, क्या केवल प्रजनन के लिए जन्म देना है, उनकी संख्या क्या होनी चाहिए, आदि। इस रिपोर्ट से यही पता चलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के 68 देशों में 44 प्रतिशत महिलाओं को अपने शरीर, गर्भनिरोधक उपयोग और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में कोई निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। भारत जैसे देशों में समस्या अधिक स्पष्ट है। उनमें से अधिकांश की मानसिकता यह है कि बच्चे पैदा करना पुरुष अधिकार है और महिलाएं पुरुष अधिकारों का बोझ हैं। बरगद के पेड़ों के आसपास दो दिन पहले के धागे के घोंसलों से इसे देखा जा सकता है। यह आपका डबल पंच है। एक परंपराओं के इर्द–गिर्द निर्मित वर्ग है। और दूसरी ओर, शिक्षितों के बढ़ते अनुपात के साथ, महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी और उस हद तक स्वास्थ्य देखभाल की कमी। हमारा असली सवाल यह है कि कामकाजी आयु वर्ग की सबसे बड़ी आबादी होने के बावजूद भारत में इसका वास्तव में उपयोग करने के लिए पर्याप्त अवसर की कमी है। यह पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक प्रभावित करता है। हमारी जनसंख्या का अड़सठ प्रतिशत 15 से 64 वर्ष की आयु के बीच है। इसका मतलब है कि देश में नागरिकों का एक बड़ा समूह 'उत्पादक' उम्र का है। यह सब आसानी से देश के आर्थिक विकास में योगदान कर सकता है। लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में पिछले दशक में देश में नौकरियों/नौकरियों की संख्या में वृद्धि नहीं हुई है। दूसरे शब्दों में, भविष्य में बेरोजगारी की समस्या और अधिक तीव्र हो सकती है।

इस पृष्ठभूमि में, हालिया रिपोर्ट को 'हमारी' जनसंख्या की गिरावट और 'उनकी' जनसंख्या के मिथकों को फैलाने की याद दिलाने के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। ऐसा होने से पहले, हमें अपनी केंद्र सरकार के आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा, जो मुसलमानों में 2.61 और हिंदुओं में 2.12 है। लेकिन यह राष्ट्रीय स्तर पर एक समान नहीं है। यह आर्थिक/सामाजिक/भौगोलिक कारकों के अनुसार भिन्न होता है। यह 41 है। जाहिर है कि इसके पीछे केरल में साक्षरता कारण है, लेकिन धर्म के स्तर पर केरल में बिहार की तरह अच्छी–खासी मुस्लिम आबादी है। लेकिन केरल में प्रजनन दर में वृद्धि नहीं लगती क्योंकि वहां मुसलमान हैं।जनगणना तक, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच जनसंख्या का अंतर वास्तव में बढ़ गया। इस दौरान मुसलमानों की संख्या में 13.6 करोड़ की वृद्धि हुई जबकि हिंदुओं की आबादी में 67.6 करोड़ की वृद्धि हुई। अंतर लगभग चार या पांच गुना है। फिर, 2021 में, जनगणना हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि बहुप्रतीक्षित जनगणना 2027 में शुरू होगी, जिसका अर्थ है कि 2031 तक, हमें अपनी जनसंख्या का सही आकार पता चल जाएगा। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी।

नजरिया

लू का कहर : तेज धूप और गर्म हवाओं से कैसे करें अपनी रक्षा

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

गर्मियों की ऋतु जहां एक ओर आम, आम्रपल्लव और छुट्टियों की सौगात लेकर आती है, वहीं दूसरी ओर तेज धूप और गर्म हवाएं सेहत पर गंभीर खतरे के बादल भी मंडराने लगते हैं। उत्तर भारत सहित देश के अनेक भागों में तापमान असहनीय स्तर तक पहुंच गया है, जिससे लू, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो गई हैं। उत्तर भारत समेत देश के विभिन्न हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर पहुंच चुका है। ऐसे में सूर्य की तेज़ किरणें और गर्म हवाएं सिर्फ असहजता ही नहीं, बल्कि जीवन के लिए संकट का कारण बनती जा रही हैं। यह संकट खासकर उन लोगों के लिए गंभीर हो जाता है जो दिन के समय अपने कार्यों की वजह से बाहर निकलने को विवश होते हैं, जैसे कि दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक, ठेला विक्रेता, पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी, किसान आदि। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार–बार चेतावनी दे रहे हैं कि तेज धूप और लू के चलते 'हीट स्ट्रोक' (लू लगना) की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है, जो कई बार जानलेवा सिद्ध होती है।

तेज गर्मी में शरीर की तंत्रिका प्रणाली असंतुलित हो जाती है और जब शरीर का आंतरिक तापमान 104 फारेनहाइट या उससे ऊपर पहुंचता है तो शरीर की स्वाभाविक शीतलन प्रक्रिया बाधित हो जाती है। सामान्यतः पसीने के माध्यम से शरीर की गर्मी नियंत्रित होती है, पर जब अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण यह प्रक्रिया काम नहीं करती, तब शरीर का तापमान और अधिक बढ़ जाता है और यह स्थिति 'हीट स्ट्रोक' का रूप ले लेती है। यह कोई साधारण थकावट या गर्मी से चक्कर आना नहीं होता, बल्कि एक मेडिकल इमरजेंसी होती है जो त्वरित उपचार की मांग करती है।

हीट स्ट्रोक के लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर आना, अत्यधिक थकावट, भ्रम की स्थिति, त्वचा का सूखना और लाली लिए होना, हृदय गति का तेज़ होना, मतली–उल्टी, बोलने में कठिनाई, बेहोशी तक आ जाना या मानसिक स्थिति में परिवर्तन शामिल हैं। कभी–कभी यह स्थिति व्यक्ति को कोमा तक पहुंचा सकती है और यदि समय पर चिकित्सा न मिले तो मृत्यु भी हो सकती है। यह स्थिति उन लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होती है जो वृद्ध हैं, बच्चों की श्रेणी में आते हैं या पहले से किसी रोग से पीड़ित हैं।

छपरा की डॉ.साक्षी मिश्रा के अनुसार दोपहर में 12 बजे से 3 बजे तक का समय सबसे खतरनाक होता है। इस समय सूर्य की किरणें सीधी और तीव्र होती हैं और शरीर पर उनका प्रभाव अधिक पड़ता है। गर्म हवाओं और सूरज की सीधी किरणों के प्रभाव में शरीर की ऊष्मा को नियंत्रित करने वाली प्रणाली कमजोर पड़ जाती है, जिससे व्यक्ति हीट स्ट्रोक का शिकार हो सकता है। इसीलिए यदि कोई कार्य अपरिहार्य न हो, तो इस अवधि में बाहर निकलने से बचना चाहिए। जो लोग इस अवधि में बाहर निकलने को मजबूर होते हैं, उन्हें कुछ महत्वपूर्ण सावधानियों का पालन करना चाहिए। सबसे पहले, हल्के, ढीले, सूती और उजले रंग के वस्त्र पहनना लाभदायक होता है, क्योंकि गहरे रंग सूर्य की गर्मी को अधिक अवशोषित करते हैं। इसके अतिरिक्त टोपी, छाता, स्कार्फ और सनस्क्रीन का प्रयोग आवश्यक है ताकि सूर्य की सीधी किरणों से त्वचा और सिर की रक्षा हो सके। घर से निकलने से पहले शरीर को पानी से हाइड्रेट कर लेना चाहिए और बाहर भी बार–बार पानी पीते रहना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। शरीर में पानी की कमी ही हीट स्ट्रोक की मुख्य वजह बनती है, इसीलिए हाइड्रेशन सर्वोपरि है।

यह भी आवश्यक है कि तली–भुनी चीजें, अत्यधिक कैफीन युक्त पेय, शराब, सिगरेट या नशीले पदार्थों का सेवन इस मौसम में पूरी तरह बंद कर दिया जाए, क्योंकि ये शरीर को निर्जलित करते हैं। गर्मियों में हल्का, सुपाच्य और तरल भोजन शरीर के तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है। खीरा, ककड़ी, तरबूज, आम पना, बेल का शरबत, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी जैसे पेय पदार्थ इस मौसम में अमृत तुल्य माने जाते हैं। ये न केवल शरीर को शीतलता प्रदान करते हैं, बल्कि आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति भी करते हैं। दूसरी ओर, यदि किसी को लू के लक्षण दिखें तो प्राथमिक उपचार बेहद जरूरी हो जाता है। रोगी को तुरंत छाया या किसी ठंडी जगह पर लाया जाए। उसके शरीर से अतिरिक्त कपड़े हटा दिए जाएं और उसे ठंडे पानी से पोंछा जाए या बर्फ से सेक किया जाए। यदि संभव हो तो उसे ओआरएस का घोल या नींबू–पानी पिलाया जाए ताकि इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति हो सके। शरीर के तापमान को घटाने की हर संभव कोशिश की जाए, और यदि 15– 20 मिनट में स्थिति में सुधार न हो तो तुरंत डॉक्टर की सलाह ली जाए। याद रखें, हीट स्ट्रोक एक आपातकालीन स्थिति है और इसमें लापरवाही जानलेवा हो सकती है।

भारत में गर्मी का मौसम लगभग अप्रैल से जून तक चलता है, और इन महीनों में तापमान लगातार बढ़ता है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या और विकराल हो जाती है क्योंकि कंक्रीट के जंगल, गाड़ियों से निकलने वाली गर्मी, प्रदूषण और हरियाली की कमी मिलकर 'हीट आइलैंड इफेक्ट' को जन्म देते हैं। यह प्रभाव शहरों में तापमान को ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा 2– 4 डिग्री तक बढ़ा देता है। ऐसे में गर्मी से निपटने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति की भी आवश्यकता है। सरकार को चाहिए कि वह गर्मी से बचाव को लेकर अधिक जनजागरूकता अभियान चलाए, स्कूलों और कार्यालयों में गर्मी के समय विशेष सावधानियाँ अपनाई जाएँ, निर्माण श्रमिकों के लिए दोपहर के समय विश्राम की व्यवस्था की जाए और उन क्षेत्रों में जहां गर्मी का प्रभाव अधिक होता है, कूलिंग शेल्टर बनाए जाएं। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि पेड़–पौधे न केवल तापमान को नियंत्रित करते हैं, बल्कि वायुमंडलीय आर्द्रता भी बनाए रखते हैं। प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह अपने आसपास हरियाली बढ़ाने में योगदान दे और प्लास्टिक जैसे गर्मी को बढ़ाने वाले कारकों से बचाव करे।

कई बार हम इस बात को लेकर लापरवाह हो जाते हैं कि हमें तो कुछ नहीं होता, लेकिन यह मानसिकता ही सबसे बड़ा जोखिम है। गर्मी एक अदृश्य संकट है, जो धीरे–धीरे हमारे शरीर को कमजोर बनाता है और जब इसका प्रभाव प्रकट होता है, तब बहुत देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों से हीट स्ट्रोक से हुई मौतों की खबरें इस बात का प्रमाण हैं कि यह संकट वास्तविक है और इसका समाधान केवल सजगता और समय पर सतर्कता से ही संभव है। वर्तमान जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापवृद्धि ने इस संकट को और अधिक गहरा बना दिया है। जिन क्षेत्रों में पहले गर्मी सहनीय हुआ करती थी, वहाँ अब तापमान के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में भी अब लू जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। यह एक गंभीर संकेत है कि हमें व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा।

गर्मी कोई असाधारण बात नहीं है, यह हर वर्ष आती है, लेकिन असावधानी इसे आपदा में बदल देती है। हमारे पूर्वजों ने कई ऐसे पारंपरिक उपाय विकसित किए थे जो आज भी प्रासंगिक हैं, जैसे आम पना, बेल शरबत, छाछ, सिर पर गीला कपड़ा बांधना, कच्चे आम को पानी में भिगोकर खाना आदि। इन उपायों को फिर से अपनाना न केवल हमारी परंपरा की पुनर्प्राप्ति है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य है। वर्तमान स्थिति के अनुसार यह कहा जा सकता है कि तेज धूप और गर्म हवाएं केवल असुविधा नहीं हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। इससे बचाव केवल सरकारी योजनाओं या चिकित्सा उपायों से नहीं होगा, जब तक कि आमजन स्वयं सजग न हों। शरीर को हाइड्रेट रखना, गर्मी के समय बाहर न निकलना, सही पोषण लेना और प्राथमिक लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करना ही वह सूत्र है जो हमें इस अदृश्य परंतु घातक संकट से बचा सकता है। जब मौसम की मार पड़ती है, तो प्रकृति की चेतावनी को समझना ही सबसे बड़ी समझदारी होती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत के साथ हरित ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की काफी संभावना : देउबा

काठमांडू/भाषा

नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत-नेपाल के बीच हरित ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की काफी संभावना है और स्वच्छ तथा पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देकर परस्पर निर्भरता को आगे बढ़ाया जा सकता है।

काठमांडू में शोध संस्थान अनंत एस्पेन सेंटर और सेंटर फॉर इनोवेटिव फॉरेन पॉलिसी द्वारा आयोजित नेपाल-भारत रणनीतिक वार्ता में देउबा ने कहा, ''अगले दशक में 10,000 मेगावाट बिजली आयात करने की भारत की प्रतिबद्धता दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग को दर्शाती है।''

नेपाल और भारत ने अगले 10 वर्षों में भारत को 10,000 मेगावाट बिजली के निर्यात की सुविधा के लिए जनवरी, 2024 में एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

देउबा ने कहा कि नेपाल-भारत संबंधों में सबसे बड़ी प्राथमिकता 'व्यापार, पारगमन और निवेश में सहयोग को बढ़ाकर आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की है।' उन्होंने कहा कि नेपाल की विशाल जल-क्षमता एक स्वच्छ जलवायु अनुकूल नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत प्रदान करती है जिसका उपयोग आने वाली पीढ़ियों के लिए किया जा सकता है।

महाकाली, करनाली, सप्त कोसी जैसी हिमालय के ऊंचे क्षेत्रों से निकलने वाली कई नदियां हैं, जो विभिन्न घाटियों से होकर बहती हैं और फिर मैदानी इलाकों से होती हुई भारत में प्रवेश कर गंगा नदी से मिल जाती हैं।

भारत ने नेपाल को इन नदियों पर कई जलविद्युत परियोजनाओं को विकसित करने में मदद की है तथा कई अन्य परियोजनाओं पर काम जारी है।

मंत्री ने सड़कों, रेलवे, जलमार्गों, वायुमार्गों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश करके आपसी संपर्क बढ़ाने की भी बात कही।

प्रदर्शन

ओडिशा में सत्ता में एक साल पूरा करने के बाद कथित विफलताओं को लेकर बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को भुवनेश्वर में महात्मा गांधी मार्ग पर राज्य सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया।

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर शेयर किया पर्यावरण से जुड़ने का तरीका

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने वेलनेस रूटीन से एक शांत पल को सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने एक बगीचे में नंगे पैर चलते हुए खुद का एक वीडियो पोस्ट किया। ग्राउंडिंग की प्रथा को बढ़ावा देते हुए, उन्होंने सभी को प्रकृति से फिर से जुड़ने और सप्ताह में कम से कम एक बार इससे होने वाले लाभों का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित किया। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर, 'थैंक गॉड' अभिनेत्री ने एक हरे-भरे बगीचे में नंगे पैर चलते हुए खुद का एक शांत वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने फैंस से भी ऐसा करने के लिए कहा। कैप्शन में, अभिनेत्री ने अभ्यास के लाभों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा, ग्राउंडिंग या नंगे पैर चलने के कई फायदे हैं। कोशिश करें और ऐसा करने के लिए अपने लिए एक बगीचा खोजें। सप्ताह में कम से कम एक बार प्रकृति से जुड़ें।

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपनी एक पोस्ट में ग्राउंडिंग की प्रथा को बढ़ावा देते हुए नजर आ रही हैं, जिसमें वह बाग में नंगे पैर चलती हुई नजर आ रही हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर, रकुल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, ''पर्यावरण वह जगह है जहां हम सभी मिलते हैं; जहां हमारी साझा दिलचस्पी है। बस जश्न मनाने से कुछ नहीं होगा - कार्य करें। पौधे लगाएं। रीसाइकिल करें। सुरक्षा करें, वीडियो में, 'रनवे 34' की अभिनेत्री ने कहा, मेरा हमेशा से मानना ङ्ङ्ङ्ङ्रहा है कि जब ग्रह हमें वह सब कुछ देता है जो हमें एक महान जीवन जीने के लिए चाहिए, तो आपको इसे समाज को वापस देना होगा। यह न्यूनतम है जो आप कर सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें, 34 वर्षीय अभिनेत्री अगली बार आगामी रोमांटिक कॉमेडी 'दे दे प्यार दे-2' में दिखाई देंगी, जो 2019 की बॉक्स ऑफिस हिट का सीक्वल है। वह एक बार फिर आयशा खुराना की भूमिका में नजर आएंगी, जिसमें अजय देवगन भी अपने किरदार आशीष मेहरा को दोहराएंगे। आर. माधवन देव खुराना, आयशा के पिता के किरदार में नजर आएंगे। निर्देशक अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद जैसे जाने-पहचाने चेहरे वापस आ रहे हैं। इसके अलावा, तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज विशेष कैमियो भूमिकाओं में नजर आएंगे। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को रिलीज़ होगी।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : पुतिन सहित विश्व नेताओं ने प्रभावित परिवारों के प्रति जताई संवेदना

ब्रसेल्स/ मॉस्को/माले/भाषा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' सहित कई विश्व नेताओं ने बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर शोक व्यक्त किया और प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

लंदन के गैटविक जा रही एअर इंडिया की उड़ान (एआई171) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपराह्न करीब 1:40 बजे उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे और हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है।

क्रेमलिन (रूसी सरकार का मुख्यालय) ने मॉस्को में जारी बयान में कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी गहरी संवेदना प्रेषित की है। पुतिन ने भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजे संदेश में कहा, ''अहमदाबाद हवाई अड्डे के नजदीक हुए विमान हादसे के दुखद परिणामों पर मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करें तथा दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें।'' लेयेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर भारत से आई है। इस भयावह हादसे के पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हम आपकी इस पीड़ा को साझा करते हैं। माननीय नरेन्द्र मोदी यूरोप इस दुख की घड़ी में आपके और भारत के लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करता है।'' मलेशियाई प्रधानमंत्री इब्राहिम ने कहा कि वह इस दुखद हादसे के बारे में जानकर ''बहुत व्यथित'' हैं। उन्होंने कहा,''मलेशिया की सरकार और जनता की ओर से मैं प्रभावित सभी लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।' इब्राहिम ने 'एक्स' पर कहा, ''हम भारत के दुख में शामिल हैं और राहत कार्य जारी रहने के दौरान पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह क्षति पर शोक मना रहे सभी लोगों के साथ हैं।''

नेपाल के प्रचंड ने कहा कि वह इस विमान हादसे से 'बहुत दुखी' हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है बांग्लादेश : यूनुस

लंदन/भाषा। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती रही, लेकिन 'हमेशा कुछ न कुछ गलत हो जाता है'।

बुधवार को लंदन में 'चाथम हाउस' थिंक टैंक के निदेशक ब्रोनवेन मैडॉक्स के साथ बातचीत में यूनुस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लिए लोकतांत्रिक रोडमैप सहित कई मुद्दों पर बात की। मैडॉक्स ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए भारत को जारी किए गए एक अनौपचारिक राजनयिक नोट का हवाला दिया और मामले पर ताजा जानकारी के बारे में पूछा।

यूनुस ने कहा, ''यह जारी रहेगा... हम चाहते हैं कि पूरी प्रक्रिया बहुत कानूनी, बहुत उचित हो... हम भारत के साथ बेहतरीन संबंध बनाना चाहते हैं। यह हमारा पड़ोसी है, हम नहीं चाहते कि उनके साथ किसी भी तरह की बुनियादी समस्या हो।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन भारतीय प्रेस से आने वाली सभी फर्जी खबरों के कारण हर बार चीजें गलत हो जाती हैं... और कई लोग कहते हैं कि इसका संबंध शीर्ष पर बैठे नीति निर्माताओं से है।''

यूनुस ने कहा, ''तो, यही बात बांग्लादेश को बहुत बेचैन और बहुत नाराज करती है। हम इस गुस्से से उबरने की कोशिश करते हैं, लेकिन साइबरस्पेस में बहुत सी चीजें होती रहती हैं। हम इससे बच नहीं सकते... अचानक वे कुछ कहते हैं, कुछ करते हैं, फिर से गुस्सा आ जाता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए यह बड़ा काम है कि हम कम से कम एक शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। ऐसा जीवन जिसका हम सपना देख रहे हैं।'' जब दर्शकों में से कुछ ने हसीना के बारे में 'भारत की अस्पष्ट भूमिका' का दावा करते हुए सवाल किया तो यूनुस ने जवाब दिया, ''(हसीना के खिलाफ) सारा गुस्सा अब भारत की तरफ़ हो गया है क्योंकि वह वहां गईं।'' उन्होंने कहा, ''जब मुझे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी से बात करने का मौका मिला, तो मैंने बस इतना कहा: आप उनकी मेजबानी करना चाहते हैं, मैं आपको उस नीति को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। लेकिन कृपया यह सुनिश्चित करने में हमारी मदद करें कि वह बांग्लादेशी लोगों से उस तरह बात न करें जिस तरह वह (ऑनलाइन) कर रही हैं।

रैली

एबीवीपी कार्यकर्ता गुरुवार को कोलकाता के साल्ट लेक में 'मार्च टू बिकाश भवन' प्रदर्शन के दौरान पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग के खिलाफ एक विरोध रैली में भाग लेते हुए।

अभिनेत्री दीया मिर्जा गुरुवार को मुंबई में हवाई अड्डे के प्रस्थान टर्मिनल पर पहुंचीं।

पानी

नई दिल्ली के संजय कैंप, चाणक्यपुरी में भीषण गर्मी के दौरान लोग दिल्ली सरकार के आपूर्ति टैंकर से पानी भरते हुए।

मनीषा कोइराला ने सोशल मीडिया पर साझा की फिटनेस ट्रिक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पिलेट्स रूटीन की एक झलक साझा की। अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह संतुलन, शक्ति और आंतरिक शांति पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक माइंडफुल सेशन में भाग लेती दिख रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में, कोइराला ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए लिखा है कि कैसे पिलाटे उनके लिए सिर्फ एक व्यायाम से ज्यादा बढ़ गया है। मनीषा ने पिलाटे को एक कसरत से ज्यादा बढ़कर बताया है। उन्होंने इसे फिटनेस से जुड़ने का आसान तरीका बताया है। अपना वीडियो साझा करते हुए 'हीरामंडी' फेम अभिनेत्री ने लिखा, ''मजबूत कोर, शांत मन। पिलाटे सिर्फ एक व्यायाम नहीं है - यह आपके शरीर और सांस से फिर से जुड़ने का एक तरीका है। हर मूवमेंट, हर स्ट्रेच, हर स्थिरता के पल के लिए आभारी हूं।''

मनीषा इंस्टाग्राम पर अपनी फिटनेस जर्नी की झलकियां शेयर करती रहती हैं, वह नियमित रूप से वर्कआउट वीडियो पोस्ट करती हैं, जो मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहने के प्रति उनके समर्पण को उजागर करते हैं। कुछ दिनों पहले, अभिनेत्री ने एक निजी विचार साझा किया, जिसमें कहा गया कि उन्हें एहसास हुआ है कि जब खुद की देखभाल करने की बात आती है तो उम्र कोई बाधा नहीं है। उन्होंने खुद की भलाई और अच्छी जीवन शैली के लिए अपनी नई प्रतिबद्धता पर जोर दिया और अधिक समग्र और सचेत जीवन शैली को अपनाया। उन्होंने कहा कि खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं हो सकती है, हालांकि मुझे इसका अहसास थोड़ा देर से हुआ, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। मैं यहीं हूं, शरीर, मन और आत्मा की भलाई के लिए समर्पित। अभिनेत्री ने लिखा, जीवन में ऐसे बेहतरीन दोस्त पाकर धन्य हूं, जो मुझे प्रेरित करते हैं- न केवल फिटनेस में, बल्कि इस बात में भी कि कैसे वह जीवन के सबसे कठिन क्षणों को ताकत और गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ हरा देती हैं। यह नारीत्व (कभी भी आसान सफर नहीं होता), जीवन, दोस्ती और शालीनता के साथ उम्र बढ़ने के लिए है।

यह उन लोगों को चुनने के लिए है जो हमारे जीवन में अर्थ जोड़ते हैं। मनीषा कोइराला को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू, हीरामंडी : द डायमंड बाजार में देखा गया था। भारतीय स्वतंत्रता युग के दौरान लाहौर की ऐतिहासिक हीरा मंडी की पृष्ठभूमि पर आधारित सीरीज ने तवायफों के जीवन की खोज की और इस बात पर गहराई से चर्चा की कि कैसे उनकी व्यक्तिगत और राजनीतिक यात्रा ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की जटिलताओं से आकार लेती थी।

कोई भी इंडस्ट्री बुरी नहीं होती, सिर्फ लोग बुरे होते हैं : कृति खरबंदा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा का कहना है कि कोई भी इंडस्ट्री बुरी नहीं होती, सिर्फ लोग बुरे होते हैं। कृति खरबंदा ने हाल ही में सिनेमैटोग्राफर प्रतीक शाह पर लगे कार्यस्थल पर यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर सशक्त बयान दिया है। कृति ने बिना किसी का नाम लिए,इस मुद्दे को एक व्यापक दृष्टिकोण से देखा और यह स्पष्ट किया कि कैसे किसी एक व्यक्ति के गलत आचरण की वजह से पूरी इंडस्ट्री को दोषी ठहरा दिया जाता है। कृति ने कहा, जैसा मैं देख रही हूँ, वह एक सिनेमैटोग्राफर है, ये उसका पेशा है। लेकिन असली समस्या उसके व्यक्तित्व में है। ऐसा किसी भी क्षेत्र में हो सकता है। कॉर्पोरेट, मीडिया, कहीं भी। हम लोग चूंकि लाइमलाइट में होते हैं, इसलिए बातें ज़्यादा उठती हैं। लेकिन महिलाएं और पुरुष दोनों ही अपने काम की जगहों पर, और कभी-कभी घर पर भी, ऐसी चीज़ों का सामना करते हैं। कृति ने कहा, जब कोई हमारी इंडस्ट्री के बाहर ऐसा कुछ करता है, तो हम उसका पेशा नहीं, उसका नाम या उम्र बताते हैं। लेकिन जब कोई फ़िल्म इंडस्ट्री से होता है, तो पूरी इंडस्ट्री को बदनाम कर दिया जाता है। ये नाइंसाफ़ी है। कोई भी इंडस्ट्री अच्छी या बुरी नहीं होती । सिर्फ लोग अच्छे या बुरे होते हैं। और ये एक व्यक्तिगत चुनाव होता है, जो उनके मूल्यों पर निर्भर करता है।

'लाल परी' टाइटल से खुश सौंदर्या शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' में अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म के एक गाने में उनके प्रदर्शन को लेकर फैंस ने उन्हें 'लाल परी' का खिताब दिया, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सौंदर्या ने इस टाइटल को सम्मान करार दिया। साथ ही मलाइका अरोड़ा और कैटरीना कैफ से तुलना करने पर भी अपनी राय पेश की। आईएएनएस से खास बातचीत में सौंदर्या ने बताया कि 'लाल परी' का खिताब उनके लिए क्या मायने रखता है। साथ ही, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया।

सौंदर्या ने कहा, जब कहीं से कोई अचानक कहता है, 'अरे देखो, लाल परी सौंदर्या', तो यह सुनकर अच्छा लगता है। इस टाइटल ने मुझे नई पहचान दी है। इससे ऐसा लगता है जैसे लोग मेरे काम को सच में पसंद कर रहे हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं। सवाल में जब उनके 'लाल परी' टाइटल की तुलना मलाइका अरोड़ा की 'मुन्नी बदनाम' और कैटरीना कैफ की 'शीला की जवानी' से की गई, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, आप जिन दो कलाकारों की बात कर रहे हैं, वे मेरी सीनियर्स हैं। उनसे मेरी तुलना होना बहुत बड़ी बात है। लेकिन मेरा सफर तो अभी शुरू ही हुआ है। मैं और ज्यादा अच्छा काम करना चाहती हूं, ताकि लोगों से मुझे ऐसे ही ढेर सारा प्यार मिलता रहे।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

लघु एवं मध्यम समाचार पत्र-पत्रिकाओं के हितों के लिए चार दशक से भी अधिक समय से आवाज़ बने हुए संगठन 'इंडियन फेडरेशन आफ स्मॉल एंड मीडियम न्यूज़पेपर्स' (आईएफएसएमएन) की संस्थापक तथा अन्य प्रमुख मीडिया संगठनों से जुड़ी वरिष्ठ पत्रकार पुष्पा पांड्या ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखकर मीडिया को आधिकारिक रूप से संविधान का चौथा स्तंभ घोषित करने का अनुरोध किया है।

माता-पिता के हम पर अनंत उपकार हैं : महेन्द्र मुणोत

गायों की सेवा के लिए मुणोत परिवार ने दिए 51 लाख रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी महेन्द्र मुणोत परिवार ने पिता मोतीलाल मुणोत की स्मृति में वृक्षारोपण एवं गो पूजन किया। यह आयोजन कनकपुरा रोड स्थित अमृतधारा गौशाला में गुरुवार को किया गया। कृष्णा गौशाला के प्रमुख संत पुखराजजी व प्रभुपाद गौशाला के प्रमुख आनंद कृष्णा दास के सान्निध्य में महेंद्र-सुरक्षा मुणोत, हंसराज-भाग्यवंती मुणोत, आनंद-स्नेहा मुणोत एवं परिवार जनों ने सैंकड़ों गोभक्तों की उपस्थिति में गौपूजा की तथा उपस्थित विभिन्न गौशालाओं के प्रमुखों को गायों की सेवा के लिए कुल 51 लाख रुपए की सहयोग राशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर संत पुखराजजी ने गायों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए लोगों को गौ सेवा से जुड़ने का आह्वान किया एवं मुणोत परिवार के सेवा कार्यों की सराहना की। महेंद्र मुणोत ने सभी गौ भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि मां सत्य है और पिता विश्वास है। माता-पिता के हम पर अनंत उपकार हैं, उन्होंने अच्छे संस्कारों से हमें पोषित किया। माता-पिता भले ही आज हमारे बीच उपस्थित नहीं हैं लेकिन वह संतान के दिलों में, संस्कारों में सदैव जीवित रहते हैं। मुणोत ने कहा कि संतान का यह कर्त्तव्य होता है कि वह अपने माता-पिता के कार्य को आगे बढ़ाएं, उनके सपनों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता किसान थे, मुझे गौ सेवा की प्रेरणा उनसे ही मिली और उन्हीं के कार्यों को मेरा परिवार आगे बढ़ा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न गौशालाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ घोषित करने का राष्ट्रपति से अनुरोध

'आईएफएसएमएन' की संस्थापक, वरिष्ठ पत्रकार पुष्पा पांड्या ने लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दिल्ली। लघु एवं मध्यम समाचार पत्र-पत्रिकाओं के हितों के लिए चार दशक से भी अधिक समय से आवाज़ बने हुए संगठन 'इंडियन फेडरेशन आफ स्मॉल एंड मीडियम न्यूज़पेपर्स' (आईएफएसएमएन) की संस्थापक तथा अन्य प्रमुख मीडिया संगठनों से जुड़ी वरिष्ठ पत्रकार पुष्पा पांड्या ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखकर मीडिया को आधिकारिक रूप से लोकतंत्र का चौथा स्तंभ घोषित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में लिखा है, 'माननीय राष्ट्रपति जी, मैं सम्मानपूर्वक कहना चाहती हूँ कि मीडिया (समाचार पत्र, पत्रिकाएँ और हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म आदि) ने भारतीय लोकतंत्र में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे व्यापक रूप से लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, क्योंकि यह जनता को सूचित और सशक्त बनाते हुए विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को जवाबदेह बनाता है।मीडिया न केवल जागरूकता बढ़ाता है बल्कि जनमत को आकार भी देता है, सामाजिक मुद्दों को उजागर करता है और सरकार पर निगरानी रखता है।

अतः मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूँ कि भारतीय संविधान में इसे 'लोकतंत्र का चौथा स्तंभ' घोषित करने के लिए उचित कार्रवाई करें। यह कदम न केवल मीडिया की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता को मजबूत करेगा बल्कि भारतीय लोकतंत्र को भी मजबूत करेगा। कृपया इस अनुरोध पर गहनता से विचार करें और हमें अपना विनम्र उत्तर दें। हम इस संबंध में आपकी सकारात्मक प्रतिक्रिया और कार्रवाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।'

पुष्पा पांड्या का कहना है कि जब जब भी लोकतंत्र के मुख्य स्तंभों की चर्चा होती है तो सदैव लोकतंत्र के चार प्रमुख स्तंभ बताए जाते हैं जिनमें न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के साथ पत्रकारिता का भी नाम लिया जाता है लेकिन आधिकारिक रूप से इसका कहीं कोई उल्लेख नहीं किया जाता है जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता। उनका कहना है कि राष्ट्रपतिजी का ध्यान इस महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करने के लिए ही उन्होंने यह पत्र भेजा है।

चेतना केन्द्र पर अष्ट दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर का हुआ शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कुम्बलगुड़ स्थित चेतना केन्द्र परिसर में बुधवार को साध्वी श्री संयमलता जी के सान्निध्य में आयोजित अष्ट दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। तदुपरान्त प्रेक्षा प्रशिक्षक सज्जनराज सिसोदिया एवं सरिता छाजेड़ द्वारा त्रिपदी वंदना तथा प्रेक्षा प्रशिक्षक-प्रशिक्षिकाओं द्वारा प्रेक्षा गीत का संगान किया गया। प्रेक्षा प्रशिक्षक, दक्षिणांचल तथा प्रेक्षाध्यान शिविर संयोजिका वीणा बैद ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि गत तीन वर्ष से बेंगलूरु में इस तरह के आठ दिवसीय आवासीय प्रेक्षाध्यान शिविर आयोजित हो रहे हैं। उन्होंने शिविर के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस शिविर में 60 शिविरार्थी शामिल हो रहे हैं।

प्रेक्षा फाउंडेशन के चेयरमैन अशोक चण्डालिया ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में बेंगलूरु प्रेक्षा टीम के कार्यों की सराहना की। मुम्बई से आए प्रेक्षा प्रशिक्षक बिनोद राठौड़ ने सभी शिविरार्थियों को शिविर के दौरान की आचार संहिता के बारे में समझाया। जैन विश्व भारती के ट्रस्टी प्रकाश लोढ़ा, चेतना केन्द्र के मंत्री लादुलाल बाबेल, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर व राजराजेश्वरीनगर महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन पटावरी ने अपने विचार व्यक्त किए। साध्वी मार्दवश्रीजी ने प्रेक्षाध्यान के बारे मे जानकारी दी तथा साध्वीश्री संयमलता जी ने प्रेक्षाध्यान की उपसम्पदा के बारे मे बताया तथा संकल्प करवाया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका कान्ता लोढ़ा ने धन्यवाद दिया। प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्र सिंह मालू ने संचालन किया। इस अवसर पर विजयनगर महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया, अर्हम मित्र मंडल के अध्यक्ष बहादुर सेठिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राम नाम उच्चारण करने से चारों वेदों के पारायण का फल मिलता है : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की नौदिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन रामभद्राचार्य महाराज ने भगवान श्रीराम की कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि चक्रवर्ती महाराज दशरथ ने अपने चारों पुत्रों के नामकरण संस्कार के लिए गुरु वशिष्ठ को बुलाया। उन्होंने माता कौशल्या के पुत्र का नाम राम, कैकेयी के पुत्र का नाम भरत तथा सुमित्रा के बड़े पुत्र का नाम लक्ष्मण और छोटे पुत्र का शत्रुघ्न रखा। महाराज दशरथ ने गुरु वशिष्ठ से पूछा कि गुरुदेव राम के नाम का क्या अर्थ है? तब गुरु वशिष्ठ ने कहा कि महाराज आपके चारों पुत्र वेद के तत्व हैं। जब महाराज ने नामकरण संस्कार के बाद गुरु वशिष्ठ से दक्षिणा मांगने को कहा तो उन्होंने कहा कि राजन, मैं आपके चारों बालकों को अपने हृदय में धारण कर ले रहा हूँ, यही मेरी दक्षिणा है। संत रामभद्राचार्यजी ने कहा कि राम यानी परम ब्रह्म। राम नाम का उच्चारण करने से मनुष्य को चारों वेदों के पारायण का फल मिल जाता है। राष्ट्र की मर्यादा राम से है। महाराज जी ने बताया कि ऐसे प्रभु श्रीराम चरित्र का गुणगान करते हुए गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि नाना भांति राम अवतारा, रामायण शत कोटि अपारा'। त्रेतायुग में महर्षि वाल्मीकि ने सौ करोड़ रामायण गाई है, जिनका सार गोस्वामी तुलसीदास ने अपने रामचरितमानस में गाया है। भगवान राम का चरित्र करोड़ों ग्रंथों में गाया गया है। कर्नाटक के किष्किन्धा में माता सीता की खोज में भटकते हुए स्वयं प्रभु श्रीराम ने स्वयं भी गाया है। महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति के प्रथम उद्गाता हैं और गोस्वामी तुलसीदास अंतिम उद्गाता हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारे जीवन में वाल्मीकि रामायण के श्लोक आ जाएंगे तो जीवन में शोक नहीं रह जाएगा। जो मानव मन से शोक को काटकर फेंक देता है उसे श्लोक कहते हैं। मेरे द्वारा गाई जाने वाली वाल्मीकि रामायण आधारित श्रीराम कथा सारे संसार को राममय बना देगी।

तीसरे दिन की श्रीराम कथा का शुभारंभ मुख्य यजमान जसराम महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ मिथिलेश तिवारी, अजय कुमार पाण्डेय, सुरेश मोदी, संजय अग्रवाल सहित अन्य यजमानों द्वारा पूजन कर किया गया। कथा के तीसरे दिन की भंडारा सेवा का लाभ हरिश्चंद्र झा परिवार ने लिया। इस अवसर पर सह यजमान सुनील बजाज, राजू सुथार, हरिश्चन्द्र झा, पूजा समिति एवं एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ज्येष्ठ पूनम मेले में दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ पर उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के समीपवर्ती दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ पर ज्येष्ठ पूनम मेले का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मेला लाभार्थी परिवार द्वारा बस यात्रा संघ का आयोजन किया तथा तीर्थ पर भैरव महापूजन किया। बेंगलूरु के तुषार गुरुजी ने पार्श्व भैरव महापूजा का विधि विधान कराया जिसमें लाभार्थी परिवार सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए। तीर्थ पर भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। आयोजित भजन संध्या में भजन गायक दिलखुश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी और उनके द्वारा लिखित प्रथम भैरव भजन का आडियो-वीडियो संस्करण लाँच किया गया। इसके अलावा गायक प्रकाश राठौड़, रिंकु बाफणा, प्रेमलता जैन आदि ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। संभव संगीत मंडल द्वारा प्रस्तुत मधुर संगीत से परिसर का वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

भूषण जैन के नेतृत्व में राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के तत्वावधान में बेंगलूरु का श्रद्धालु संघ भी तीर्थ पहुंचा। पूनम मेले में बेंगलूरु, मैसूरु, हासन, मंड्या, टिपटूर, तुमकूर, चिकमगलूर, राणीबेन्नूर, कडूर, होलेनरसीपुर व आसपास के क्षेत्र से अनेक श्रद्धालु शामिल हुए। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मेला लाभार्थी परिवार का सम्मान किया।

राजेन्द्र पूनम ग्रुप ने आदोनी पेद्दतुम्बलम् तीर्थ की यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र पूनम ग्रुप के 60 सदस्यों ने ज्येष्ठ सुद पूर्णिमा के अवसर पर आदोनी पेद्दतुम्बलम तीर्थ यात्रा का आयोजन किया।ग्रुप के सदस्यों ने सबसे पहले पेद्दतुम्बलम तीर्थ पर तीर्थंकर पार्श्वमणि पार्श्वनाथ की सेवा पूजा की। श्रद्धालुओं ने विशेष रूप से प्रभु भक्ति का आयोजन किया जिसमें जैन स्तवनों एवं भजनों की धूम रही। इस यात्रा के आयोजन का लाभ सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से लिया। इस तीर्थ यात्रा में सुभाषचंद्र सवाणी, माणकमल भंडारी, राजेन्द्र लुणिया, महेंद्र भंडारी, रमेशकुमार जैन, हीराचन्द वेदमुथा, राजू सवाणी, रविन्द्र मोदी, पारसमल संघवी सहित अनेक श्रावक एवं श्राविकाएं उपस्थित थे।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा पट्टेनगेरे सरकारी स्कूल में स्कूल की आवश्यकता के अनुरूप डेक्स-बेंच सेट भेंट किए गए। अध्यक्ष सुमन पटावरी, उपाध्यक्ष मंजू बोथरा, पूर्व अध्यक्ष सरोज बैद, सहमंत्री वंदना भंसाली तथा अन्य ने बच्चों के साथ समय बिताया और बच्चों को उपहार दिए। स्कूल की प्राचार्या सुगुना ने महिला मंडल को धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) मैसूरु चैप्टर द्वारा भारत के पूर्व क्रिकेटर, वर्ष 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप टीम के खिलाड़ी, वर्तमान में बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी का सम्मान किया गया। बीजेएस से अध्यक्ष राजन बाघमार, उपाध्यक्ष अमित चौहान, नेमीचंद बडोला, मंत्री राजेंद्र देसरला, नवरतन पितलिया ने बिन्नी का सम्मान किया।

नेता प्रतिपक्ष अशोक ने बेंगलूरु भगदड़ मामले की जांच मानवाधिकार आयोग से कराने की मांग की

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ की घटना के संबंध में राष्ट्रीय

मानवाधिकार आयोग से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने आयोग से घटना का तत्काल संज्ञान लेने और कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सभी सरकारी अधिकारियों, एजेंसियों और निजी संस्थाओं की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों की व्यापक जांच शुरू कराने का आग्रह किया। आयोग अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में अशोक ने कहा कि 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' की आईपीएल में हुई जीत का जश्न मनाने के लिए चार जून को आयोजित समारोह के दौरान स्टेडियम के पास हुई भगदड़ मानवाधिकारों के उल्लंघन की परेशान करने वाली ''घटना'' थी जिसके कारण 11 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 75 लोग घायल हो गए। उन्होंने 11 जून को लिखे अपने पत्र में कहा, ''यह महज कोई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना नहीं है, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और प्रारंभिक जांच से साफ है कि यह राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही, कुप्रबंधन और जन सुरक्षा के प्रति घोर उपेक्षा का प्रत्यक्ष परिणाम प्रतीत होता है।''

सिद्दरामय्या ने 'तोतापरी' आमों पर लगी रोक हटाने की मांग की

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष चंद्रबाबू नायडू से चित्तूर जिले में कर्नाटक से 'तोतापरी' आमों के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 11 जून को लिखे पत्र में कहा कि बिना किसी पूर्व परामर्श या समन्वय के ऐसा एकतरफा निर्णय सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ है।

उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि इससे राज्यों के बीच अनावश्यक तनाव, प्रतिशोधात्मक कदम और कृषि उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न हो सकती है। कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने

10 जून को आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष के. विजयानंद को पत्र लिखकर प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया था। इस प्रतिबंध के खिलाफ कोलार जिले के श्रीनिवासपुरा क्षेत्र के किसानों ने बुधवार को प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारी आम के लिए समर्थन मूल्य और प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पत्र में लिखा, मुझे जानकारी मिली है कि चित्तूर जिले के जिलाधिकारी ने सात जून को आदेश जारी कर अन्य राज्यों से तोतापरी आमों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इस आदेश को लागू करने के लिए राजस्व, पुलिस, वन और विपणन विभागों की संयुक्त टीमें तमिलनाडु और कर्नाटक की सीमा पर तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध कर्नाटक के विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

बुजुर्ग मां को प्रताड़ित करने के आरोप में दो महिलाओं पर मामला दर्ज

मुल्की। दक्षिण कन्नड़ जिले के मुल्की में संपत्ति को लेकर अपनी बुजुर्ग मां को प्रताड़ित करने के आरोप में दो महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी सैंड्रेला बंगेरा और अनीता अपनी 87 वर्षीय मां मनोरमा हेनरी को लगातार प्रताड़ित कर रही हैं और उन्होंने उनकी नौकरानी नीलम्मा पर भी अनेक बार हमला किया है।

उन्होंने बताया कि मनोरमा अपनी दो बेटियों के बीच अपनी संपत्ति का बंटवारा करने के बाद अपने हिस्से की संपत्ति में रह रही हैं और इसके बावजूद बेटियां उन्हें लगातार परेशान कर रही थीं जबकि स्थानीय चर्च के पदाधिकारियों ने भी उन्हें अपनी मां को परेशान न करने की सलाह दी है। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दो महिलाओं से मनोरमा और उनकी नौकरानी नीलम्मा की जान को खतरा है। मनोरमा मुल्की की पूर्व महिला कांग्रेस नेता हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com